डॉक्टर गायब, सफाईकर्मी ने नापा गर्भवती का ब्लड प्रेशर

मनमोहन नगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की शर्मनाक तस्वीरः डॉक्टर को कारण बताओ नोटिस

जबलपुर। मनमोहन नगर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की स्वास्थ्य व्यवस्थाओं पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। गुरुवार देर रात अस्पताल में लापरवाही की सारी हदें पार हो गईं, जब ड्यूटी से डॉक्टर नदारद मिले और एक नर्स ने सफाईकर्मी से ही आठ महीने की गर्भवती महिला का ब्लड प्रेशर नापने को कह दिया। इस बदहाली को देखकर अस्पताल पहुंचे युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं का आक्रोश फूट पड़ा और उन्होंने परिसर में जमकर हंगामा किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सीएमएचओ डॉ. नवीन कोठारी ने तत्काल एक्शन लेते हुए ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर को कारण बताओ नोटिस जारी कर दिया है

खुद संभालनी पड़ी व्हीलचेयर

जानकारी के मुताबिक, गुरुवार देर रात सड़क हादसे में घायल एक बुजुर्ग महिला को इलाज के लिए युवा कांग्रेस के शहर अध्यक्ष सोनू कुकरेले और उनके साथी मनमोहन नगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे थे। लेकिन अस्पताल के मुख्य गेट पर पहुंचते ही वहां का नजारा देखकर सब हैरान रह गए। हादसे की शिकार तड़पती बुजुर्ग महिला को अंदर ले जाने के लिए अस्पताल का कोई भी चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी या वार्ड बॉय मौजूद नहीं था। हालत यह थी कि गेट पर व्हीलचेयर तो रखी थी, लेकिन उसे चलाने वाला कोई नहीं था। मजबूरन युवा कांग्रेस अध्यक्ष सोनू कुकरेले ने खुद बुजुर्ग महिला को व्हीलचेयर पर बैठाया और धक्का लगाते हुए अस्पताल के भीतर पहुंचाया।ड्यूटी डॉक्टर गायब, सफाईकर्मी के भरोसे छोड़ दी मरीजों की जान जब कार्यकर्ता घायल महिला को लेकर अंदर पहुंचे, तो अव्यवस्था का आलम और भी भयावह था। अस्पताल से ड्यूटी डॉक्टर पूरी तरह गायब थे और आपातकालीन सुविधाएं ठप पड़ी थीं। पूरे अस्पताल में महज एक नर्स और एक सफाईकर्मी ही मौजूद थे, जो अपने स्तर पर मरीजों को देख रहे थे।इसी दौरान वहां इलाज के लिए एक 8 महीने की गर्भवती महिला पहुंची। डॉक्टरों की अनुपस्थिति के बीच हैरान करने वाला वाकया तब घटा, जब ड्यूटी पर मौजूद एकमात्र नर्स ने वहां के सफाईकर्मी को ही गर्भवती महिला का ब्लड प्रेशर (BP) जांचने के निर्देश दे दिए। सफाईकर्मी को मेडिकल उपकरण संभालते और मरीज की जांच करते देख अस्पताल में मौजूद मरीजों के परिजन और कांग्रेस कार्यकर्ताओं का गुस्सा भड़क उठा। युवा कांग्रेस शहर अध्यक्ष सोनू कुकरेले और अभ्युत बाजपेयी ने कहा यह स्वास्थ्य व्यवस्थाओं के नाम पर खिलवाड़ है। जहां डॉक्टरों को होना चाहिए, वहां सफाईकर्मी मरीजों का इलाज कर रहे हैं। आम जनता की जिंदगी को इस तरह राम भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता।

अस्पताल में प्रदर्शन मौके पर पर पहुंचे सीएमएचओ

लापरवाही के लाइव सबूत सामने आने के बाद युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने अस्पताल प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। कार्यकर्ताओं ने अस्पताल परिसर के भीतर ही धरने पर बैठकर जमकर नारेबाजी और उग्र विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। आधी रात को सरकारी अस्पताल में भारी हंगामे की सूचना मिलते ही हड़कंप मच गया। मामले को बिगड़ता देख प्रभारी सीएमएचओ डॉ. नवीन कोठारी खुद दलबल के साथ देर रात मौके पर पहुंचे। उन्होंने नाराज कार्यकर्ताओं और मरीजों के परिजनों को समझा-बुझाकर शांत कराया और पूरी घटना की निष्पक्ष जांच का भरोसा दिया। इस अवसर पर भानु यादव, राजा रैकवार, समीर गढ़वाल, बसंत ठाकुर, शिशांत सिंह ठाकुर, शिवम्‌ यादव, शिवम्‌ हल्कादर, प्रवीण चौधरी, कार्तिक नामदेव आदि उपस्थित रहे।

डॉक्टर नरेश सोंधिया को कारण बताओ नोटिस

इस पूरे मामले में प्रशासनिक स्तर पर कार्रवाई शुरू हो गई है। सीएमएचओ डॉ. नवीन कोठारी ने घटना को बेहद गंभीर और चिकित्सा प्रोटोकॉल का उल्लंघन माना है। मामले पर कड़ा रुख अपनाते हुए उन्होंने गुरुवार रात को ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर नरेश सोंधिया को 'कारण बताओ नोटिस' जारी कर दिया है। डॉक्टर सोंधिया से पूछा गया है कि आपातकालीन ड्यूटी के दौरान वे अस्पताल से क्यों नदारद थे और उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई क्यों न की जाए?

पेंच टाइगर रिजर्व में पर्यटन व्यवस्था मजबूत करने पर जोर

जबलपुर। पेंच टाइगर रिजर्व की स्थानीय सलाहकार समिति की बैठक खवासा में संभागायुक्त धनंजय सिंह की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में बरघाट और चौरई क्षेत्र के विधायक, सिवनी एवं छिंदवाड़ा के कलेक्टर, वन मंडलाधिकारी तथा क्षेत्र संचालक सहित समिति के सदस्य मौजूद रहे। बैठक में पेंच टाइगर रिजर्व की भौगोलिक स्थिति, कार्यक्षेत्र और पर्यटन गतिविधियों की जानकारी साझा की गई। क्षेत्र संचालक ने बताया कि वर्ष 2021 में जारी राजपत्र के अनुसार बफर जोन से लगे गांवों के विद्यार्थियों और ईको विकास समितियों के सदस्यों को अध्ययन भ्रमण की सुविधा निशुल्क उपलब्ध कराई जाती है, ताकि उनमें पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ सके। इसके साथ ही विभिन्न राज्यों के वन विभागों से जुड़े प्रशिक्षण संस्थानों के छात्रों और प्रशिक्षुओं को भी अध्ययन यात्राएं कराई जाती हैं। बैठक में पर्यटन प्रबंधन को लेकर विशेष चर्चा की गई। अधिकारियों ने बताया कि वर्तमान में पेंच टाइगर रिजर्व में 342 पर्यटन वाहन पंजीकृत हैं। पर्यटन सत्र शुरू होने से पहले सभी वाहनों की फिटनेस जांच और निर्धारित मानकों के अनुरूप परीक्षण कराने का प्रावधान है। समिति ने निर्देश दिए कि सभी पर्यटन वाहनों की जांच नियमानुसार कराई जाए और वन विभाग द्वारा तय दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाए।

हाईकोर्ट ने कछुआ तस्करी के आरोपियों की जमानत अर्जी निरस्त की

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने रेल नेटवर्क के जरिये दुर्लभ प्रतिबंधित प्रजाति के कछुओं की प्रदेश के विभिन्न शहरों में तस्करी में शामिल संगठित गिरोह के आरोपियों परवेज खान व दीपक पारखे को जमानत देने से मना कर दिया। कोर्ट ने उनकी अर्जी निरस्त कर दी। तीन फरवरी 2026 को रेल गाड़ी संख्या 19322 पटना-इंदौर एक्सप्रेस में स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स मध्य प्रदेश, भोपाल, रेल्वे सुरक्षा बल एवं वन मंडल भोपाल द्वारा संयुक्त रूप से कार्यवाही करते हुए संत हिरदाराम स्टेशन से अजय सिंह राजपूत वल्द राजकुमार निवासी इंदौर जो प्रथम श्रेणी वातानकूलित श्यानयान (फस्ट एसी कोच) में अटेंडेंट के रूप में कार्यरत था। उसके पास से 311 नग दुर्लभ व प्रतिबंधित प्रजाति के जीवित कछुओं को जप्त कर स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स (एसटीएसएफ) ने वन अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया।

गिरफ्तार आरोपी को फारेस्ट रिमांड में लेकर पूछताछ उपरांत व वैज्ञानिक साक्ष्यों का संग्रहण कर प्रदेश के भीतर कई शहरों नीमच, मंदसौर, रतलाम, इंदौर, देवास, उज्जैन, नागदा, शाजापुर व प्रदेश के बाहर लखनऊ (उत्तर प्रदेश) में कई दल बनाकर एक साथ छापामार कार्यवाही करते हुए जलीय वन्यजीव कछुओं के अवैध व्यापार में लिप्त एक संगठित गिरोह का पर्दाफाश किया। आरोपित रेल के माध्यम से विगत कुछ समय से वन्यजीवों की तस्करी में लिप्त था। गिरोह के कई सदस्यों जो कि पेट दुकान संचालक आदि हैं, उनसे कार्यवाही में कुल 313 नग जीवित दुर्लभ, प्रतिबंधित एवं अनुसूची में दर्ज चार विभिन्न प्रजाति के वन्यजीव कछुओं व नग जीवित वन्यजीव को जप्त किया गया साथ ही अपराध में प्रयुक्त आरोपियों से एक मोटरसाईकिल व आठ मोबाईल फोन को भी जप्त कर मध्य प्रदेश व उत्तर प्रदेश के विभिन्न शहरों से आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। प्रकरण में शामिल आरोपी परवेज खान निवासी रतलाम व दीपक पारखे, निवासी इंदौर द्वारा हाई कोर्ट में जमानत अर्जी दायर की गई थी। जिसे स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स इकाई, भोपाल द्वारा की गई सटिक विवेचना व अभियोजन पक्ष द्वारा दी गई दलीलों, दुर्लभ जलीय वन्यजीव की तस्करी के अंतराज्जीय गिरोह से संबंधित होकर अत्यंत गंभीर व संवेदनशील प्रकृति के आधार पर निरस्त कर दिया गया। प्रकरण में विवेचना जारी है।

महिला सुरक्षा में उत्कृष्ट कार्य हेतु एडिशनल एसपी पल्लवी शुक्ला सम्मानित

जबलपुर। मानव अधिकार एवं अपराध नियंत्रण संगठन द्वारा महिलाओं की सुरक्षा, जागरूकता एवं साइबर अपराधों के प्रति उत्कृष्ट कार्य करने पर एडिशनल एसपी पल्लवी शुक्ला का सम्मान किया गया। संगठन ने कहा कि पल्लवी शुक्ला के मार्गदर्शन में विभिन्न थानों में महिला सुरक्षा, साइबर क्राइम जागरूकता और महिलाओं से जुड़े मामलों में संवेदनशील कार्यशैली को बढ़ावा मिला है। कार्यक्रम में संगठन के पदाधिकारियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने उनके प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि महिलाओं को सुरक्षित वातावरण प्रदान करने और जागरूकता अभियान चलाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। सम्मान समारोह डॉ. अमित सिसोदिया के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। इस अवसर पर डॉ. अजय वाधवानी, एडवोकेट भावना निगम, एडवोकेट आशीष त्रिपाठी, डॉ. अभिषेक जैन, डॉ. अशोक मेठवानी सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

महापौर ने दत्तयाग में दी आहुति देकर विश्व कल्याण की कामना की

जबलपुर। श्री दत्त भजन मंडळ द्वारा पुरुषोत्तम मास के उपलक्ष्य में आयोजित पांच दिवसीय दत्तयाग के दूसरे दिन धार्मिक अनुष्ठानों एवं वैदिक मंत्रोच्चार के बीच यज्ञ संपन्न हुआ। यज्ञशाला में मुख्य दैवत दत्तात्रय भगवान की पूजा-अर्चना के बाद मुख्य आहुति का कार्य प्रारंभ किया गया। नगर के प्रथम नागरिक महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने सपत्नीक उपस्थित होकर विश्व कल्याणार्थ यज्ञ में आहुति अर्पित की। उनके साथ दिनेश कालवे, मनोज हर्डीकर, शरद आठले, संदीप पिंपळे, प्रशांत कुलकर्णी, सौ. नयना महेश येवलकर, आदित्य कानडे, अशोक जोशी, जस्टिस देवदत्त धर्माधिकारी एवं डॉ. जितेंद्र जामदार सहित अन्य यजमान भी शामिल हुए। दोपहर 3 बजे से 6 बजे तक श्रद्धालुओं के लिए विशेष यज्ञाहुति का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में भक्तों ने भाग लेकर यज्ञशाला की प्रदक्षिणा की तथा प्रसाद ग्रहण किया। यज्ञ का ऋत्विजत्व वेदमूर्ति कृष्णशास्त्री आर्वीकर (नागपुर), पंडित गणेश नारायण पाळंदे (वाराणसी), पंडित मनोज गुरुजी एवं पंडित निलेश दाभोळकर द्वारा किया जा रहा है। कार्यक्रम में अजय फाटक, अनिल राजूरकर, मुरलीधर पाळंदे, विश्वनाथ वैद्य, वर्षा दांडेकर, आभा रानडे, स्नेहा आठले, मनीषा भावे, चित्रा ताम्हनकर, रंजना वर्तक, अपर्णा राजूरकर एवं नितीन देसाई का सहयोग सराहनीय रहा। मंडल अध्यक्ष विजय भावे एवं सचिव शरद आठले के नेतृत्व में दत्तयाग धार्मिक विधि-विधान एवं पूर्ण पवित्रता के साथ संपन्न हो रहा है।

फीडर सेन्टर चयन प्रतियोगिता 26 को

जबलपुर। मध्यप्रदेश शासन जिला खेल एवं युवक कल्याण विभाग के तत्वावधान में चल रहे हॉकी फीडर सेन्टर में बालक, बालिकाओं की चयन प्रतियोगिता दिनांक 26/05/26 को सुबह 7:00 बजे से रानीताल खेल परिसर हॉकी एस्ट्रोटर्फ मैदान में आयोजित की जा रही है। जो भी बालक/ बालिका ट्रायल देने के लिए इच्छुक हैं, वह अकबर खान और सुनीता सिद्धीकी के मो.नं. पर सम्पर्क कर सकते हैं। सभी बालक, बालिका साथ में मूल पत्रों की फोटो कॉपी लायें। पासपोर्ट साइज फोटो, आधार कार्ड, जन्मप्रमाण पत्र, अंकसूची व पिछली कक्षा की अंकसूची की फोटो कॉपी लाये आयु सीमा 10 से 18 वर्ष है।

महाकौशल शहीद स्मारक में आज सजेगी मैलोडी नाइट

जबलपुर। महाकौशल शहीद स्मारक ऑडिटोरियम 23 मई 2026, शनिवार को सुरों की अनूठी महफिल का साक्षी बनेगा, जहां "मैलोडी नाइट" के रूप में एक यादगार संगीत संध्या आयोजित की जाएगी। गीता गाता चल और जस्सी संधु के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में भोपाल और जबलपुर के चुनिंदा फनकार अपने सुरों का जादू बिखेरेंगे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एसके निगम होंगे। गीत गाता चल के संस्थापक लक्ष्मण सिंह और आयोजक एकता आर सिंह ने बताया कि संगीत प्रेमियों के लिए यह शाम सदाबहार गीतों और भावपूर्ण प्रस्तुतियों से सजी होगी। कार्यक्रम में बॉलीवुड सिंगर असलम हमदुले की विशेष प्रस्तुति होगी। इस संगीत संध्या में पुराने दौर के अमर गीतों से लेकर दिल को छू लेने वाली प्रस्तुतियां सुनने को मिलेंगी। कार्यक्रम शाम 6.30 बजे शुरू होगा।

जीआरपी ने आरोपी से तीन मोबाइल जब्त किए

जबलपुर। जीआरपी थाना जबलपुर ने आरोपी मोईन अंसारी पिता स्व. सलीम अंसारी उम्र 18 साल निवासी नई बस्ती बड़ा कुआँ थाना गोहलपुर जिला जबलपुर से तीन मोबाइल कुल कीमती 49,100 रुपए के जब्त किए। बताया गया 19/05/2026 को प्लेटफार्म नं.1 इटारसी छोर रेलवे स्टेशन जबलपुर पर एक व्यक्ति पुलिस को देखकर सहम गया, पूछताछ में नाम मोईन अंसारी पिता स्व. सलीम अंसारी उम्र 18 साल निवासी नई बस्ती बड़ा कुआँ थाना गोहलपुर जिला जबलपुर का होना बताया। स्टेशन आने के बारे में पूछने पर कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया, संदेही की पेन्ट की जेब फूली हुई दिखाई देने पर अपनी जेब में चोरी के मोबाइल बेचने के लिये रखे होना बताया। संदेही से जेब में रखे मोबाईलों को निकालकर दिखाने के लिये कहा गया तब एक ओप्पो कंपनी का मोबाईल नीले कलर का कीमत लगभग 13500 रूपये, एक मोबाईल रीयलमी कंपनी का आसमानी कलर का कीमत 14100 रूपये तथा रियलमी कम्पनी का बिना सिम का आसमानी कलर कीमत 21500 रूपये का, कुल कीमती 49100 रूपये का निकालकर पेश करने पर विधिवत मुताबिक जप्ती पत्रक के जप्त कर वैधानिक कार्यवाही की गई व आरोपी के विरुद्ध थाना जीआरपी जबलपुर में अप. क्र. 290/26 धारा 317(2)**bns** का कायम कर वैधानिक कार्यवाही की गई।

भेड़ाघाट को विश्वस्तरीय पर्यटन केंद्र और कटंगी को आर्थिक हब बनाने की तैयारी

जबलपुर। कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में जिला शहरी विकास अभिकरण की जिला स्तरीय समीक्षा एवं निगरानी समिति की बैठक कलेक्टर कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक में बरगी विधायक नीरज सिंह, सिहोरा विधायक संतोष वरकड़े, नगर निगम आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार सहित नगरीय निकायों के जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में अमृत 2.0 योजना के तहत हरित क्षेत्र विकास, जल निकायों के कायाकल्प, पेयजल और सीवरेज कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में केंद्र सरकार की अर्बन चैलेंज फंड योजना के तहत प्रस्तावित परियोजनाओं पर भी चर्चा हुई। कटंगी को लगभग 16 करोड़ रुपये की लागत से आर्थिक और सामाजिक गतिविधियों के केंद्र के रूप में विकसित करने की योजना प्रस्तुत की गई। वहीं भेड़ाघाट को पर्यटन की दृष्टि से और अधिक आकर्षक बनाने के लिए विभिन्न विकास कार्यों पर विचार-विमर्श किया गया।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (ग्रामीण) एवं पंजीयक लोक न्यास जबलपुर
प्रकरण क्रमांक 01/ बी-113(4) / 2026-27
आम इश्तहार
एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि इस न्यायालय में पंजीकृत लोक न्यास सीताराम सदगुरु निकुंज मंदिर उमरिया चौबे पनागर की और से आवेदक गण के द्वारा निम्नलिखित न्यासीगण का नाम न्यास पंजी मे दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है - जगदीश प्रसाद चौबे पिता स्व. गोविंद प्रसाद, कमलेश पटेल पिता वीरनलाल, राममिलन पटेल पिता भगवानदास, दीनदयाल पटेल पिता कढोरीलाल, यज्ञदत्त चौबे पिता श्री कुंवर लाल, आलोक उपाध्याय पिता नरेन्द्र उपाध्याय, ईश्वरी पटेल, दिनेश दास बैरागी पिता कौशिल्यादास बैरागी सभी निवासी ग्राम उमरिया चौबे पनागर जबलपुर, महेन्द्र तिवारी पिता स्व. कैलाश तिवारी निवासी ग्राम खिरका खेडा शहपुरा भिटोनी जबलपुर उक्त आवेदन की सुनवाई इस न्यायालय में प्रचलित है एवं आगामी पेशी दिनांक 15.06.2026 नियत है। हितबद्ध पक्षकार नियत दिनांक को इस न्यायालय में समय 3.00 बजे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर अपना पक्ष रख सकता है।
जारी दिनांक 27.04.2026
पंजीयक लोक न्यास एवं
अनुविभागीय अधिकारी, जबलपुर

निधन

श्रीमति विमला सिंह- मं नं 902 समदड़िया ग्रीन सिटी जबलपुर निवासी श्रीमति विमला सिंह का 63 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। वे श्री पुष्पेन्द्र सिंह की माता जी एवं पार्षद मोनिका सिंह की सासु मां थीं। उनका अंतिम संस्कार ग्रीन सिटी श्मशान घाट में सम्पन्न हुआ।

श्री सियाराम गुप्ता- राजीव नगर चेरीताल निवासी पंकज, पवन और विनोद गुप्ता के पिता श्री सियाराम गुप्ता (69) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार रानीताल मोक्षधाम में किया गया।

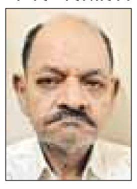

CHANGE OF NAME
I, ARMY NO. 15412890X RANK HAV (DVRMT) NAME SATYA NARAYAN SUKAL S/O AJEET KUMAR SUKAL OF UNIT MILITARY HOSPITAL, JABALPUR (MP) AADHAR CARD No. 3932 6024 0458 I, have changed name of my **DAUGHTER**, from **MAHI SHUKLA** (name as per my **ARMY SERVICE RECORDS**) to **MAHEE SHUKLA** (name as per my **DAUGHTER, AADHAR CARD NO. 7931 6240 7579**) vide affidavit dated **21/05/2026** formerly before Public Notary JABALPUR (MP)
CORRECT NAME
MAHEE SHUKLA
INCORRECT NAME
MAHI SHUKLA

CHANGE OF NAME
I, ARMY NO. 15412890X RANK HAV (DVRMT) NAME SATYA NARAYAN SUKAL S/O AJEET KUMAR SUKAL OF UNIT MILITARY HOSPITAL, JABALPUR (MP) AADHAR CARD No. 3932 6024 0458 I, have changed name of my **FATHER**, from **AJEET KUMAR SUKAL** (name as per my **ARMY SERVICE RECORDS**) to **AJEET KUMAR** (name as per my **FATHER, AADHAR CARD NO. 2764 0968 5913**) vide affidavit dated **21/05/2026** formerly before Public Notary JABALPUR (MP)
CORRECT NAME
AJEET KUMAR
INCORRECT NAME
AJEET KUMAR SUKAL

CHANGE OF NAME
I, ARMY NO. 15412890X RANK HAV (DVRMT) NAME SATYA NARAYAN SUKAL S/O AJEET KUMAR SUKAL OF UNIT MILITARY HOSPITAL, JABALPUR (MP) AADHAR CARD No. 3932 6024 0458 I, have changed name of my **MOTHER**, from **MUNNI SUKAL** (name as per my **ARMY SERVICE RECORDS**) to **MUNNEE DEVEE** (name as per my **MOTHER, AADHAR CARD NO. 2177 6369 9705**) vide affidavit dated **21/05/2026** formerly before Public Notary JABALPUR (MP)
CORRECT NAME
MUNNEE DEVEE
INCORRECT NAME
MUNNI SUKAL

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी सम्भाग
क्रमांक 13 मुख्यालय, नगर निगम, जबलपुर
पत्र क्रं /संभा.अधि./13/मुख्यालय 2026-27/एम/33
दिनांकः- 19/05/2026
भवन नामांतरण सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि जय मॉ एसोसिएटस द्वारा पार्टनर श्री शमन कुमार आसवानी पिता स्व. श्री नामोमल आसवानी एवं श्री अशोक कुमार पारवानी पिता श्री किशन चंद पारवानी ने मकान नं. 2657 वार्ड स्वामी दयानंद सरस्वती क्षेत्रफल 1268 व.फु., भूतल 660 व.फु., प्रथमतल 440 व.फु. विक्रयपत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-13 मुख्यालय में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।
राजस्व निरीक्षक
संभाग क्रं.13 मुख्यालय
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी सम्भाग
क्रमांक 1 गढ़ा, नगर निगम, जबलपुर
पत्र क्रं /संभा.अधि./01/गढ़ा2026/एम/63(2025/2026)
दिनांकः- 15/04/2026
भवन नामांतरण सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि (1)श्री अरविन्द कुमार तिवारी पिता श्री गया प्रसाद तिवारी (2)श्रीमती अर्चना तिवारी पति श्री अरविन्द तिवारी ने भवन/भूखंड/खसरा क्र. प्लाट नं. 61 पिन क्र. 1003812050 वार्ड क्र. 71 वार्ड वीर दुर्गादास के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्ट अनुसार) श्री सुधांशु तिवारी पिता श्री आनंद तिवारी के स्थान पर क्षेत्रफल प्लाट 786 भूतल 786RCC प्रथम तल786RCC विक्रयपत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-01 गढ़ा में प्रमाण सहित आपति प्रस्तुत करें। अन्यथा अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रार्थना पत्र प्रस्तुतकर्ता का नाम कम्प्यूटर रिकार्ड में अंकित कर दिया जावेगा। नामान्तरण होने के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति विचारणीय नही होगी।
संभागीय अधिकारी
संभाग क्रं.01 गढ़ा
नगर निगम, जबलपुर

खबर संक्षेप

एक वर्ष से फरार शातिर बदमाश को दबोचा

बड़वारा। एक साल से फरार चल रहे शातिर बदमाश को बड़वारा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार फरियादी जगदेव सिंह सोलंकी 81 वर्ष निवासी ग्राम बांसा थाना चंदिया जिला उमरिया, हाल निवासी ग्राम परसेल ने 14 मई को थाना बड़वारा में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में बताया गया था कि जमीनी विवाद को लेकर आरोपी अमोल सिंह, गुलाब सिंह, सूरज सिंह, टिंकू सिंह, चिंटू सिंह एवं पुष्पेन्द्र ने 13 मई 2025 को तेजभान सिंह एवं जयभान सिंह सोलंकी निवासी ग्राम परसेल के साथ लाठी-डंडों से मारपीट कर गंभीर चोट पहुंचाई थी। प्रकरण में थाना बड़वारा पुलिस ने मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की। मेडिकल रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद प्रकरण में धारा 117(2) एवं 109(1) बीएनएस की वृद्धि की गई। मामले का मुख्य आरोपी गुलाब सिंह पिता अमोल सिंह निवासी ग्राम परसेल घटना के बाद से लगातार फरार चल रहा था। पुलिस उसकी लगातार तलाश कर रही थी। आखिरकार 21 मई 2026 को बड़वारा पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। इस पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी उनि के.के. पटेल, सउनि महेश प्रताप सिंह, प्रधान आरक्षक नितेश डोंगरे एवं प्रधान आरक्षक अरुण तिवारी की भूमिका रही।

युवक पर चाकू से हमला, लोगों में दहशत

कटनी। कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत सब्जी मंडी के पास दिनदहाड़े चाकूबाजी की घटना से अफरा-तफरी का माहौल बन गया। लोगों में दहशत फैल गई। जानकारी के अनुसार प्रशांत सोनी पिता विष्णू सोनी 40 वर्ष पर कुछ लोगों ने धारदार चाकू से हमला कर दिया। हमले में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक हमले में बुच्चड़, उसकी दो बहनें, भांजा तथा दो अन्य साथी शामिल बताए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि किसी पुराने विवाद या आपसी कहासुनी के बाद आरोपी पक्ष ने अचानक हमला कर दिया। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने घायल प्रशांत सोनी को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका उपचार जारी है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है।

8 घुमंतू मवेशी भेजे गए अमीरगंज गौशाला

कटनी। शहर में घुमंतू एवं सड़कों पर विचरण करने वाले मवेशियों के कारण उत्पन्न होने वाली यातायात बाधा एवं दुर्घटनाओं की संभावनाओं को देखते हुए नगर निगम प्रशासन की हांका टीम द्वारा अभियान चलाकर कार्यवाही का सिलसिला अनवरत जारी है। अभियान के तहत कार्यालय कलेक्ट्रेट, बरगवां सहित अन्य प्रमुख मार्गों एवं सार्वजनिक स्थलों पर कार्रवाई करते हुए 8 घुमंतू मवेशियों को पकड़कर अमीरगंज गौशाला भेजा गया।

ट्रांसफार्मर खराब होने से सप्लाई बंद, शिकायत के बाद भी जिम्मेदार नहीं दे रहे ध्यान

संकट है विकट: बरौंदा के ग्रामीण एक किमी दूर से साइकिलों में ला रहे पानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ उमरियापान

भीषण गर्मी के बीच ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल संकट लगातार गहराता जा रहा है। उमरियापान के समीप बरौदा गांव में ट्रांसफार्मर खराब होने के कारण पिछले 10 दिनों से जल सप्लाई पूरी तरह बंद पड़ी हुई है। इससे ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। हालात ऐसे हैं कि लोग करीब एक किलोमीटर दूर से साइकिलों और बर्तनों के सहारे पानी लाने को मजबूर हैं।

ग्रामीणों ने बताया कि समस्या की जानकारी विधुत विभाग,ग्राम पंचायत और जिम्मेदार अधिकारियों को दी जा चुकी है, लेकिन अब तक ट्रांसफार्मर सुधारने या बदलने की दिशा में कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। बरौदा के ग्रामीणों ने बताया कि गांव में लगा ट्रांसफार्मर खराब हो जाने के कारण पानी सप्लाई व्यवस्था ठप हो गई है। घरों के नलों में पानी नहीं पहुंच रहा है, जिससे लोगों की दिनचर्या प्रभावित हो रही है। सबसे अधिक परेशानी महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों को उठानी पड़ रही है। सुबह होते ही ग्रामीण पानी की व्यवस्था में जुट जाते हैं। पानी सप्लाई बंद होने के कारण ग्रामीणों को हैंडपंपों और निजी नलकूपों का सहारा लेना पड़ रहा है। वहीं कई ग्रामीण एक किलोमीटर दूर से साइकिलों में बर्तन लादकर पीने का पानी ला रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि गर्मी के दिनों में पानी की आवश्यकता बढ़ जाती है, लेकिन इस भीषण गर्मी में जल संकट ने लोगों की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं।

अंधेरे में रातभर जागने मजबूरी

बरौदा में विद्युत ट्रांसफार्मर खराब होने से पूरे गांव की बिजली व्यवस्था ठप पड़ी हुई है। कई दिनों से बिजली सप्लाई बंद रहने के कारण गांव में रात के समय अंधेरा पसरा रहता है। भीषण गर्मी के बीच बिजली न होने से ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि ट्रांसफार्मर खराब होने के बाद से गांव में न तो पंखे चल पा रहे हैं और न ही घरों में रोशनी हो पा रही है। रात के समय मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है, जिससे छोटे बच्चों और बुजुर्गों को सबसे ज्यादा दिक्कत हो रही है। इसके साथ ही अंधेरे के कारण सांप-बिच्छू सहित अन्य जीव-जंतुओं का खतरा भी बना हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि बिजली नहीं होने से लोग रातभर जागने को मजबूर हैं। पर्याप्त नींद नहीं मिलने से दिनभर थकान और परेशानी बनी रहती है।

इनका कहना है

इस संबंध में कनिष्ठ अभियंता उमरियापान मजहर अली का कहना है कि बरौदा में ट्रांसफार्मर खराब होने की शिकायत ग्रामीणों से मिली थी। तीन दिन पहले ही वहाँ ट्रांसफार्मर बदला गया है। अगर फिर से ट्रांसफार्मर खराब हो गया है तो जांच कराकर दूसरे ट्रांसफार्मर की व्यवस्था की जाएगी।

अलग अलग हादसे में दो युवकों की मौत, 2 घायल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कटनी

बड़वारा एवं बरही थाना क्षेत्र में हुआ हादसा, ट्रक को किया जब्त, जांच में जुटी पुलिस

अलग अलग स्थानों में हुये सड़क हादसों में दो युवकों की मौत हो गई जबकि दो अन्य घायल हो गये। जानकारी के अनुसार बड़वारा थाना क्षेत्र अंतर्गत मझगवां टोल के पास हुए सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। बताया जाता है कि अंशिक सुहाने 21 वर्ष निवासी पन्ना मोड़ को कार क्रमांक एमपी 21 सीए 9299 के चालक ने तेज रफ्तार एवं लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हुए टक्कर मार दी। हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसकी बाद में मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि मामले की विवेचना की जा रही है तथा वाहन चालक की भूमिका की जांच की जा रही है। घटना के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश देखा गया।

इसी तरह ठरका ग्राम में बीती शाम ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी। इस हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि बाइक पर सवार उसके दो अन्य साथी गंभीर घायल हैं। पुलिस ने ट्रक को जब्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, बरही थाना क्षेत्र के ग्राम नादमन निवासी तीन युवक एक ही बाइक पर सवार होकर जा रहे थे। जब वे ठरका ग्राम के पास पहुंचे, तभी सामने से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए और तीनों युवक सड़क पर काफी दूर जा गिरे।

हादसे के बाद मौके पर पहुंची डायल-112 और निवार चौकी पुलिस ने राहगीरों की मदद से तीनों घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद असीम कुमार गोटिया (30) को मृत घोषित कर दिया। वहीं, हादसे में घायल मुराली गोटिया और गुड्डू गोटिया की हालत गंभीर बनी हुई है, जिनका उपचार जारी है। हादसे को अंजाम देने के बाद चालक ट्रक लेकर भागने की फिराक में था, लेकिन पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए ट्रक को घेराबंदी कर जब्त कर लिया है। पुलिस ने मृतक का शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

जनरल परेड एवं शस्त्र संचालन कार्यक्रम का हुआ आयोजन

उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों को किया प्रोत्साहित, पुरस्कार की घोषणा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कटनी

पुलिस बल की कार्यप्रणाली को और अधिक सुदृढ़, अनुशासित एवं प्रभावशाली बनाने, पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों की फिटनेस तथा मनोबल को बढ़ाने एवं आगामी कानून व्यवस्था संबंधी परिस्थितियों में प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शुक्रवार को रक्षित केन्द्र कटनी में जनरल परेड एवं शस्त्र संचालन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का आयोजन पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन में किया गया। जनरल परेड की सलामी पुलिस अधीक्षक द्वारा ली गई। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष डेहरिया की उपस्थिति में जिले के राजपत्रित पुलिस अधिकारी, शहरी थाना प्रभारी, सूबेदार सहित विभिन्न थानों, यातायात शाखा एवं रक्षित केन्द्र के लगभग 105 पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी सम्मिलित हुए।

पुलिस अधीक्षक द्वारा परेड का निरीक्षण करते हुए अधिकारियों एवं कर्मचारियों की वेशभूषा, अनुशासन, कदमताल एवं स्कॉट ड्रिल का अवलोकन किया गया। उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों सहित थाना प्रभारियों द्वारा स्कॉट ड्रिल एवं कदमताल का अभ्यास किया गया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रोत्साहित किया गया, वहीं कमियों वाले कर्मचारियों को आवश्यक मार्गदर्शन एवं प्रशिक्षण प्रदान कर भविष्य में बेहतर प्रदर्शन हेतु निर्देशित किया गया।

23 सेकंड में पिस्टल खोल किया असेंबल

परेड के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा अधिकारियों एवं कर्मचारियों को 30 सेकंड के भीतर शस्त्र खोलने एवं पुनः असेंबल करने का टॉस्क दिया गया तथा निर्धारित समय सीमा में कार्य पूर्ण करने वाले कर्मचारियों हेतु 5000 रूपये नगद पुरस्कार की घोषणा की गई। टॉस्क के उपरांत पुलिस अधीक्षक ने स्वयं 9 एमएम पिस्टल को मात्र 23 सेकंड में खोलकर विधिवत असेंबल कर उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रेरित किया, जिससे सभी में उत्साह एवं उत्सुकता का वातावरण बना रहा।

संगठन की विचारधारा को गांव गांव तक पहुंचाने आव्हान

भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीराम पटेल के कटनी आगमन पर भाजपा कार्यालय में संगठनात्मक बैठक का आयोजन पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिलाध्यक्ष एवं जिला पंचायत उपाध्यक्ष अशोक विश्वकर्मा के नेतृत्व में किया गया। बैठक में संगठन विस्तार, बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं की सक्रियता, पिछड़ा वर्ग समाज के बीच जनसंपर्क अभियान, केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने तथा आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक टंडन सोनी विशेष रूप से उपस्थित रहे। पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिलाध्यक्ष अशोक विश्वकर्मा ने कहा कि भाजपा केवल एक राजनीतिक संगठन नहीं, बल्कि राष्ट्रसेवा का माध्यम है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से संगठन की विचारधारा को गांव-गांव एवं घर-घर तक पहुंचाने का आव्हान किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता की जिम्मेदारी है कि वह समाज के अंतिम व्यक्ति तक सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचाने का कार्य करे। श्री विश्वकर्मा ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए अनुशासन, समर्पण एवं निरंतर जनसंपर्क को संगठन की सबसे बड़ी शक्ति बताया। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं की मेहनत एवं एकजुटता से ही संगठन नई ऊंचाइयों तक पहुंचेगा। उनके संबोधन के दौरान कार्यकर्ताओं में विशेष उत्साह देखने को मिला और सभी ने संगठन हित में पूरी निष्ठा से कार्य करने का संकल्प लिया।

भगवान श्री कृष्ण-रुक्मणि का हुआ विवाह

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिलौंड़ी

सिलौंडी के समीपवर्ती ग्राम झिरमीला में चल रही भागवत कथा में कथावाचक जी ने आज भगवान श्री कृष्ण और रूक्मणी विवाह की कथा सुनाई । कथावाचक पंडित रमाकांत पौराणिक जी ने बताया नारद जी और अन्य लोगों के मुख से श्रीकृष्ण के रूप, गुण और वीरता की प्रशंसा सुनकर रुक्मिणी ने मन ही मन उन्हें अपना पति मान लिया था। वे कृष्ण के बिना किसी और से विवाह नहीं करना चाहती थीं।

रुक्मिणी के भाई अपनी बहन का विवाह अपने मित्र चेदिराज शिशुपाल से कराना चाहते थे। पिता भीष्मक भी रुक्मी के कहने पर शिशुपाल से विवाह के लिए मान गए। विवाह की तिथि तय हो गई और तैयारियां जोरों पर थीं।विवाह से पहले रुक्मिणी ने एक ब्राह्मण दूत के माध्यम से श्रीकृष्ण को पत्र भेजा। पत्र में लिखाः ₹हे नंद-नंदन! पति रूप में मैंने आपका ही वरण किया है। आपको छोड़कर किसी अन्य के साथ विवाह नहीं कर सकती। मेरा विवाह मेरी इच्छा के विरुद्ध शिशुपाल से किया जा रहा है₹। उन्होंने बताया कि कुल की रीति अनुसार विवाह से पहले वे देवी दर्शन के लिए नगर के बाहर मंदिर जाएंगी। रुक्मिणी ने आग्रह किया कि श्रीकृष्ण वहीं आकर उन्हें पत्नी रूप में स्वीकार करें, नहीं तो वे प्राण त्याग देंगी। श्रीकृष्ण द्वारा हरणपत्र पढ़कर श्रीकृष्ण समझ गए कि रुक्मिणी संकट में हैं। वे अपने भाई बलराम के साथ तुरंत विदर्भ पहुंचे। जैसे ही शिशुपाल बारात लेकर द्वार पर पहुंचा, उससे पहले ही श्रीकृष्ण मंदिर में पूजा कर रहीं रुक्मिणी का हरण कर ले गए। रुक्मिणी के हरण की खबर सुनकर पिता, भाई रुक्मी, शिशुपाल और जरासंध अपनी सेना लेकर श्रीकृष्ण के पीछे हो लिए। भयंकर युद्ध हुआ जिसमें श्रीकृष्ण विजयी हुए।श्रीकृष्ण रुक्मिणी को लेकर द्वारिका आ गए और वहां विधिवत भव्य तरीके से दोनों का विवाह संपन्न हुआ। रुक्मणी को जब अहसास हुआ कि श्रीकृष्ण स्वयं नारायण हैं और रुक्मिणी लक्ष्मीजी हैं, तो उन्होंने भी विवाह कराया।रामनारायण विश्वकर्मा अश्वनी कुमार विश्वकर्माआशा बाई विश्वकर्मा सरस्वती बाई विश्वकर्मा माताजी एवं विश्वकर्मा परिवार एवं गोविंद काछी सहित ग्राम वासी रहे ।

अलग अलग स्थानों में युवक एवं महिला के साथ की गई मारपीट

कटनी। एनकेजे थाना अंतर्गत ग्राम केवलारी में पुरानी रंजिश को लेकर एक युवक पर जानलेवा हमला किया गया। जानकारी के अनुसार धीरज विश्वकर्मा 24 वर्ष सुबह करीब 8:30 बजे खेत के पास से गुजर रहा था। तभी गांव के ही कुछ युवकों ने उसे घेर लिया। धीरज विश्वकर्मा ने बताया कि शिवम पटेल, सागर पटेल, दीपक पटेल और भुरा पटेल ने एक राय होकर पहले तो गालियां दीं और फिर लाठी-डंडों से हमला किया। इस हमले में युवक को गंभीर चोटें आई हैं। एनकेजे पुलिस ने चारों नामजद आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

इसी तरह माधवनगर थाना क्षेत्र के अमीरगंज चांदमारी इलाके में एक महिला पर हमले से सनसनी फैल गई। ग्राम भकरवारा (बहोरीबंद) की रहने वाली सुनीता रजक 40 वर्ष जब चांदमारी में प्रार्थिया के मकान के पास थीं, तभी दो अज्ञात हमलावर वहां पहुंचे। इससे पहले कि महिला कुछ समझ पाती, आरोपियों ने किसी धारदार और नुकीली वस्तु से उन पर हमला कर दिया। वारदात को अंजाम देकर आरोपी मौके से भाग निकले। दिनदहाड़े हुए इस हमले से इलाके में दहशत का माहौल है। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों की पतारसी शुरू कर दी है। आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

गर्ग चौराहा से कारगिल चौक मार्ग पर राहगीरी डे का आयोजन कल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कटनी

नगर पालिक निगम द्वारा शहरवासियों को स्वच्छता, स्वास्थ्य और सक्रिय जीवन शैली के प्रति प्रेरित करने के उद्देश्य से रविवार 24 मई को 'राहगीरी डे' कैंपेन 2026 के सातवें आयोजन का भव्य आयोजन गर्ग चौराहा से कारगिल चौक मार्ग पर किया जाएगा। यह आयोजन प्रातः 7 बजे से 8:30 बजे तक आयोजित होगा, जिसमें नागरिकों को स्वच्छ एवं स्वस्थ शहर निर्माण का संदेश रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से दिया जाएगा।

नगर निगम द्वारा आयोजित यह अभिनव अभियान केवल मनोरंजन या खेल गतिविधियों तक सीमित न होकर नागरिकों में स्वच्छता के प्रति जिम्मेदारी, पर्यावरण संरक्षण और बेहतर स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता विकसित करने का माध्यम बनता जा रहा है। कार्यक्रम में फोर बिन प्रेजेंटेशन, प्लास्टिक प्रतिबंध जागरूकता, नुक्कड़ नाटक एवं हस्ताक्षर अभियान जैसी गतिविधियों के माध्यम से नागरिकों को स्वच्छता का व्यवहारिक संदेश दिया जाएगा। वहीं दूसरी ओर योग, साइकिल रेस, जुंबा, स्केटिंग, रस्सी खेल, चम्मच-नींबू दौड़, म्यूजिकल चेयर, केरम, शतरंज, घुड़सवारी तथा विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं के माध्यम से नागरिकों, विशेषकर युवाओं और बच्चों को फिटनेस एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। रंगोली, म्यूजिक एवं डांस परफॉर्मेंस तथा मैजिक शो जैसे आकर्षक कार्यक्रम आयोजन को उत्साहपूर्ण स्वरूप प्रदान करेंगे।

नगर निगम प्रशासन का मानना है कि ऐसे आयोजन सामाजिक सहभागिता को बढ़ाने के साथ-साथ नागरिकों में अपने शहर के प्रति जिम्मेदारी और अपनत्व की भावना भी विकसित करते हैं। 'राहगीरी डे' अब शहर में स्वच्छता, स्वास्थ्य और सकारात्मक सामाजिक संदेश का प्रभावी जन आंदोलन बनता जा रहा है।

जल गंगा संवर्धन अभियान में जल संरक्षण को मिली नई दिशा

जल संरचनाओं के पुनर्जीवन से भू-जल संवर्धन की मजबूत पहल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कटनी

''जल गंगा संवर्धन अभियान'' के अंतर्गत नगर पालिक निगम द्वारा जल संरक्षण एवं संवर्धन की दिशा में व्यापक स्तर पर कार्य किए जा रहे हैं। अभियान के तहत नगर की नदियों, घाटों, सार्वजनिक कुओं एवं अन्य जल संरचनाओं की साफ-सफाई, पुनर्जीवन तथा नए जल संरक्षण ढांचे तैयार करने का कार्य युद्ध स्तर पर जारी है। निगम प्रशासन के इन प्रयासों से वर्षा जल संचयन को बढ़ावा मिलने के साथ-साथ भू-जल स्तर में सुधार की दिशा में भी सकारात्मक परिणाम सामने आने लगे हैं।

प्रयागराज से आई ट्रेश क्लीनर मशीन एवं पोकलेन मशीन की सहायता से कटाएघाट, मसुरहा घाट एवं गाटरघाट क्षेत्र में नदी सफाई का कार्य तीव्र गति से संचालित किया गया, जिसमें अधिकांश हिस्सों की सफाई पूर्ण कर ली गई है। शेष भागों में भी कार्य तेजी से जारी है। नदी एवं घाटों से जलकुंभी, गाद एवं अपशिष्ट पदार्थों को हटाकर जल प्रवाह को सुचारू बनाने के साथ प्राकृतिक जल स्रोतों को पुनर्जीवित करने का कार्य किया जा रहा है।

कार्यपालन यंत्री सुधीर मिश्रा ने बताया कि अभियान का मुख्य उद्देश्य वर्षा जल को संरक्षित कर भू-जल स्तर में वृद्धि करना तथा भविष्य में जल संकट की स्थिति से प्रभावी रूप से निपटना है। उन्होंने बताया कि नदी, तालाब एवं कुओं की साफ-सफाई, सोकपिट निर्माण तथा पेयजल पाइपलाइनों की मरम्मत जैसे कार्य जल संरक्षण की दिशा में मील का पत्थर साबित होंगे। इन प्रयासों से आने वाले समय में ग्रीष्म ऋतु के दौरान पेयजल समस्या में उल्लेखनीय राहत मिलेगी।

80 प्रतिशत से अधिक सोकपिट निर्माण पूर्ण

नगर निगम द्वारा जल संरक्षण को बढ़ावा देने हेतु नगर के विभिन्न वार्डों में हैंडपंपों के समीप लगभग 100 सोकपिट निर्माण का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। इसके अंतर्गत अब तक 83 से अधिक सोकपिटों का निर्माण कार्य पूर्ण किया जा चुका है। इन सोकपिटों के माध्यम से हैंडपंपों से व्यर्थ बहने वाले पानी का संचय कर उसे पुनः भू-जल संवर्धन के लिए उपयोग में लाया जा रहा है।

48 कुओं का जीर्णोद्धार

अभियान के अंतर्गत नगर के विभिन्न क्षेत्रों में स्थित 48 सार्वजनिक कुओं की साफ-सफाई एवं जीर्णोद्धार का कार्य भी पूर्ण किया जा चुका है। इससे वर्षा ऋतु में जल संचयन क्षमता बढ़ेगी।

नगर निगम प्रशासन एवं समाजसेवी संस्थाओं के सहयोग से नगर के विभिन्न प्रमुख मार्गों एवं सार्वजनिक स्थलों पर 25 प्याऊ संचालित किए जा रहे हैं। इन प्याऊ के माध्यम से नागरिकों एवं राहगीरों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के साथ-साथ जल संरक्षण एवं जल के सदुपयोग के प्रति जागरूक भी किया जा रहा है।निगम प्रशासन द्वारा जल संरक्षण एवं संवर्धन के लिए अन्य महत्वपूर्ण कार्य भी निरंतर किए जा रहे हैं। इसके अंतर्गत अब तक 33 पानी की टंकियों, ओवरहेड टैंकों एवं संपवेल की सफाई कराई जा चुकी है। साथ ही 243 ट्यूबवेलों का सुधार तथा लगभग 1,649 पेयजल लीकेजों का निराकरण कर जल अपव्यय रोकने की दिशा में प्रभावी कार्यवाही की गई है।

15 अतिक्रमण पर चला ननि का बुल्डोजर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कटनी

नगर निगम प्रशासन द्वारा शहर में सुगम आवागमन व्यवस्था, प्रभावी जल निकासी एवं स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सार्वजनिक स्थलों पर किए गए अनधिकृत अतिक्रमणों के विरुद्ध लगातार अभियानात्मक कार्यवाही की जा रही है। निगम के अतिक्रमण अमले द्वारा मदन मोहन चौबे वार्ड अंतर्गत सागर पुलिया से लक्ष्मी पान भंडार तक मार्ग के दाहिने ओर सार्वजनिक भूमि एवं नाले-नालियों पर किए गए लगभग 15 से अधिक अवैध स्थायी निर्माणों को जेसीबी मशीन की सहायता से हटाया गया।

अतिक्रमण प्रभारी मानेंद्र सिंह ने बताया कि निगम प्रशासन की इस कार्यवाही से क्षेत्र में आवागमन व्यवस्था अधिक सुव्यवस्थित एवं सुरक्षित हो सकेगी। विशेष रूप से कटनी मुड़वारा रेलवे स्टेशन एवं कटनी साउथ स्टेशन की ओर आवागमन करने वाले यात्रियों तथा आम नागरिकों को मार्ग में बेहतर सुविधा प्राप्त होगी। लंबे समय से सार्वजनिक मार्ग पर किए गए अवैध निर्माणों के कारण यातायात प्रभावित हो रहा था, जिससे नागरिकों को असुविधा का सामना करना पड़ता था।

इसके साथ ही सार्वजनिक नाले - नालियों से अतिक्रमण हटाने के कारण सफाई व्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी तथा जल निकासी सुचारू रूप से हो सकेगी। आगामी वर्षा ऋतु को दृष्टिगत रखते हुए यह कार्यवाही जलभराव की समस्या के प्रभावी निराकरण की दिशा में भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। निगम प्रशासन का मानना है कि सार्वजनिक स्थलों को अतिक्रमण मुक्त बनाए रखने से न केवल यातायात व्यवस्था बेहतर होती है, निगम प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे सार्वजनिक मार्गों, नालों एवं शासकीय भूमि पर अतिक्रमण न करें तथा शहर को स्वच्छ, सुव्यवस्थित एवं सुरक्षित बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग प्रदान करें।

औद्योगिक क्षेत्र की कंपनियों में नहीं है फायर सेफ्टी की व्यवस्था

सनराइज एग्रो इंडस्ट्री परिसर में भीषण आग

सुलगते सवालों के बीच टला बड़ा हादसा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सौंसर, मुकेश बागड़े

औद्योगिक क्षेत्र के ग्राम ब्राह्मण पिपला स्थित सनराइज एग्रो इंडस्ट्री में शुक्रवार को लगी भीषण आग ने एक बार फिर औद्योगिक सुरक्षा दावों की पोल खोलकर रख दी है। फैक्ट्री परिसर के बाहर खुले में रखे अत्यधिक ज्वलनशील वेस्ट मटेरियल में अचानक लगी इस आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया। आसमान में उठते काले धुएं के गुबार और ऊंची लपटों को देखकर पूरे इलाके में दहशत फैल गई। हालांकि, दमकल विभाग की तत्परता से आग को मुख्य उत्पादन क्षेत्र तक पहुंचने से रोक लिया गया, जिससे करोड़ों के नुकसान और जनहानि का एक बड़ा हादसा टल गया। लेकिन इस घटना ने पीछे कई गंभीर सवाल छोड़ दिए हैं।

दमकलों की मुस्तैदी से बची जान, घंटों चली 'अग्निपरीक्षा

घटना की भयावहता को देखते हुए तत्काल सौंसर, लोधीखेड़ा, मोहगांव, और पिपला नारायणवार सहित औद्योगिक क्षेत्र की दमकल गाड़ियों दमकलों की मुस्तैदी से बची जान, घंटों चली 'अग्निपरीक्षा घटना की भयावहता को देखते हुए तत्काल सौंसर, लोधीखेड़ा, मोहगांव, और पिपला नारायणवारदमकलों की मुस्तैदी से बची जान, घंटों चली 'अग्निपरीक्षाः घटना की भयावहता को देखते हुए तत्काल सौंसर, लोधीखेड़ा, मोहगांव, और पिपला नारायणवार सहित औद्योगिक क्षेत्र की दमकल गाड़ियों को मोर्चे पर उतारा गया। दमकल कर्मियों ने अपनी जान जोखिम में डालकर घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।मौके पर पहुंचे पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने स्थिति का जायजा तो लिया है, लेकिन ग्रामीणों में आक्रोश और दहशत का माहौल अब भी बरकरार है। सहित औद्योगिक क्षेत्र की दमकल गाड़ियों को मोर्चे पर उतारा गया।

बड़ी लापरवाही, सुरक्षा उपकरण नदारद, राम भरोसे सुरक्षा!

स्थानीय ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार, जब कंपनी परिसर में आग ने शुरुआत में पैर पसारना शुरू किया, तब कंपनी के पास इससे निपटने के लिए न तो पर्याप्त फायर सेफ्टी उपकरण थे और न ही पानी की समुचित व्यवस्था। आपातकालीन सुरक्षा सिस्टम पूरी तरह ध्वस्त नजर आया।आखिर इतनी बड़ी लापरवाही किसके संरक्षण में चल रही थी? जब कंपनी के पास आग बुझाने के प्राथमिक संसाधन तक नहीं थे, तो प्रशासन ने इसे एनओसी कैसे दे दी? यह पूरी फैक्ट्री गांव से महज 200 मीटर की दूरी पर संचालित हो रही है। इतनी संवेदनशील जगह होने के बावजूद प्रबंधन ने भारी मात्रा में ज्वलनशील वेस्ट मटेरियल को खुले आसमान के नीचे छोड़ रखा था, जो किसी बड़े टाइम बम से कम नहीं है। ग्रामीणों का आरोप है कि मुनाफे के9 चक्कर में प्रबंधन ग्रामीणों की जान-माल को दांव पर लगा रहा है।

जांच के नाम पर खानापूर्ति, या होगी सख्त कार्रवाई?

प्रशासनिक तौर पर आग लगने का कारण शुरुआती तौर पर शॉर्ट सर्किट या तकनीकी खराबी माना जा रहा है,और नुकसान का आकलन शुरू कर दिया गया है। ग्रामीणों का कहना है कि लापरवाह प्रबंधन पर हो एफआईआर होनी चाहिए, सिर्फ नोटिस जारी करने के बजाय फैक्ट्री प्रबंधन पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। बोरगांव क्षेत्र की अनेक फायर सेफ्टी के इंतजाम नही है। श्रम विभाग के अधिकारियों एवं सोसर प्रशासन के द्वारा कंपनियों की जांच करते हुए फायर सेफ्टी की जांच करनी चाहिए, ताकि ब्राह्मण पीपला जैसी घटना की पुनरावृत्ति ना हो,

आग में जलने से बाल बाल बचे माँ और तीन बच्चे

सिंगोड़ीः सिंगोड़ी में भीषण आग से किसान का सब कुछ जलकर खाक हो गया, घर में तीन बच्चे मां की समझ से बाल बाल बचे। बच्चें वही दमकल विभाग की बड़ी लापरवाही आई सामने आई। सिंगोड़ी स्थित पेंच नदी के समीप दरगाह के पास शुक्रवार दोपहर करीब एक बजे पेंच नदी के किनारे से फैली आग ने एक गरीब किसान का आशियाना और जिंदगी भर की कमाई जलकर खाक हो गई। इस हादसे में लाखों रुपये के नुकसान हुआ है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया की आग की लपटें दरगाह के उस कमरे तक पहुंच गईं, जहां पीड़ित किसान शेख मजहर रह रहा था वह सिंगोड़ी मस्जिद में जुमे की नमाज पढ़ने गए हुए थे। घर के कमरे में उनके तीन मासूम बच्चे सो रहे थे, जबकि उनकी पत्नी पास के ही एक खेत में काम कर रही थीं। दूर से धुंआ और आग की लपटें उठती देख पत्नी ने बिना वक्त गंवाए घर की तरफ दौड़ लगाई। उन्होंने जान जोखिम में डालकर सो रहे तीनों बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला। अगर थोड़ी सी भी देर होती तो एक बड़ा हादसा होने से इंकार नहीं किया जा सकता था।

3 घंटे बाद पहुंची दमकल, सब कुछ जलकर हुआ राख

इस हादसे ने आपातकालीन सेवाओं की पोल खोलकर रख दी है। आग लगते ही दोपहर 1:00 बजे से ही उपस्थित ग्रामीणों ने 112 नंबर सहित दमकल विभाग और अन्य प्रशासनिक अधिकारियों को लगातार फोन किए। लेकिन हैरान करने वाली बात यह रही कि सूचना देने के तीन घंटे बाद भी कोई दमकल वाहन मौके पर नहीं पहुंचा।शाम करीब 4:00 बजे जब फायर ब्रिगेड की गाड़ी पहुंची, तब तक सब कुछ जलकर राख हो चुका था। ग्रामीणों का आरोप है कि यदि फायर ब्रिगेड समय पर आ जाती, तो नुकसान को काफी हद तक कम किया जा सकता था।

लाखों का नुकसान, दाने-दाने को मोहताज हुआ परिवार

इस भीषण अग्निकांड में पीड़ित परिवार पूरी तरह सड़क पर आ गया है। घर में रखा गृहस्थी का पूरा सामान जल गया है। परिजनों ने बताया की घर में रखे डेढ़ लाख नगद सोने का एक हार और 40 क्विंटल गेहूं। वही कपड़े, बर्तन और दैनिक उपयोग का सारा सामान जलकर राख हो गया। पीड़ित शेख मजहर सिंगोड़ी के मूल निवासी हैं। करीब छह महीने पहले सिंगोड़ी से रिच्छन नदी तक हुए सड़क निर्माण के दौरान उनका आधा मकान अतिक्रमण की चपेट में आ गया था, जिसके कारण वह बेघर हो गए थे। पेंच नदी के पास खेत होने की वजह से वे अस्थाई रूप से दरगाह के पास कमरा बनाकर रह रहे थे, लेकिन इस हादसे ने उनसे यह आसरा भी छीन लिया।

प्रॉपर्टी डीलर के घर चोर घुसे लाखों के जेवर और नकदी पार

सतना। सिविल लाइन थाना क्षेत्र के बगहा में बीती रात चोरों ने एक बड़ी वारदात को अंजाम दिया है। यहाँ एक नामी प्रॉपर्टी डीलर के सूने कमरे का ताला तोड़कर चोरों ने 50 लाख रुपए से अधिक के सोने-चांदी के जेवरात और नकदी पर हाथ साफ कर दिया। सनसनीखेज वारदात के बाद पीड़ित परिवार ने तुरंत 112डायल और सिविल लाइन थाना पुलिस को सूचना दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए सिविल लाइन टीआई पुलिस डॉग स्क्वायड के साथ मौके पर पहुंचे और बारीकी से घटनास्थल की जांच शुरू की।

चैनल गेट फांदकर अंदर घुसे, ड्रिल मशीन से काटा दरवाजा

मिली जानकारी के अनुसार,बगहा में बाईपास कलश मंडप पैलेस के पीछे स्थित सैनिक कॉलोनी में प्रॉपर्टी डीलर दिनेश सिंह उर्फ सिद्धू सिंह का निवास है। बीती रात चोर बाउंड्री का चैनल गेट फांदकर घर के अंदर दाखिल हुए। शातिर चोरों ने मुख्य द्वार पर लगे लकड़ी के दरवाजे को निशाना बनाया और उसमें ड्रिल मशीन से छेद करके कटर की मदद से दरवाजा खोल लिया।

दिनेश सिंह के पुत्र अर्पित सिंह ने बताया कि चोर सीधे उनकी मां के कमरे में दाखिल हुए और वहां रखे सोने-चांदी के जेवरात व कैश समेट लिया। गनीमत रही कि उस वक्त कमरे का कूलर खराब था,जिसके कारण उनकी मां रात करीब 12:30 बजे दूसरे गेस्ट रूम में सोने चली गई थीं। अगर वह कमरे में होतीं,तो चोर उन पर जानलेवा हमला भी कर सकते थे।

ढाई बजे खुली नींद, तो उड़ गए होश

पीड़िता जब रात करीब ढाई से पौने तीन बजे के बीच जागीं और अपने कमरे की तरफ गईं,तो वहां का नजारा देखकर उनके होश उड़ गए। कमरे का सारा सामान अस्त-व्यस्त पड़ा था और अलमारी में रखे करीब 25 तोला सोने के गहने,डेढ़ किलो चांदी और 12 लाख रुपए नकद गायब थे। उन्होंने तुरंत शोर मचाकर परिजनों को जगाया। पीड़ित दिनेश सिंह की सूचना पर सिविल लाइन थाना प्रभारी दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और आस-पास के सीसीटीवी फुटेज खंगालकर चोरों सुराग लगाने का प्रयास कर रही है।

कोतवाली पुलिस की बड़ी कार्रवाईः मोटर साइकिल चोर गिरोह के दो सदस्य गिरफ्तार, 3 बाइक बरामद

सतना। शहर में बढ़ती वाहन चोरी की वारदातों पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना सिटी कोतवाली पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर मुस्तैदी दिखाते हुए मोटरसाइकिल चोरी करने वाले दो शातिर आरोपियों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की तीन मोटरसाइकिलें बरामद की हैं,जिनकी कुल कीमत सवा दो लाख रुपये आंकी गई है। चेकिंग के दौरान धरे गए आरोपी पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी केअनुसार,मुखबिर से मिली पुख्ता सूचना के आधार पर कोतवाली पुलिस की टीम ने घेराबंदी की थी। संदेही युवकों को रोककर जब वाहनों के दस्तावेजों के संबंध में पूछताछ की गई,तो वे कोई वैध कागजात पेश नहीं कर सके। कड़ाई से पूछताछ करने पर आरोपियों ने मोटरसाइकिलें चोरी की होने की बात कबूल कर ली। पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान दानिश सिद्दीकी पिताः मो.हमीद खान,उम्र 21 वर्ष,निवासी नजीराबाद श्यामू भाई के घर के पीछे,कुआं के पास, सतना है। मो.हसन उर्फ राशिद उर्फ लल्लन पिता मो.आरिफ,उम्र 28 वर्ष,निवासी नजीराबाद पेट्रोल पंप के पीछे,मस्जिद के सामने,सतना है। पुलिस ने दोनों आरोपियों की निशानदेही पर 03 अदद मोटरसाइकिलें जब्त की हैं।

शौच करके लौट रही 19 वर्षीय युवती पर चाकू एवं हंसिया से जानलेवा हमला, जिला अस्पताल में भर्ती

छतरपुर। जिले क़े थाना राजनगर के अंतर्गत इन दिनों अपराधों का ग्राफ बढता जा रहा है। आये दिन थाना राजनगर के ग्रामीण अंचलों में कोई ना कोई अपराधिक बारदात घटित हो रही है। जिससे क्षेत्र में दहशत का माहौल बना हुआ है। अभी बिक्रमपुर के पूर्व सरपंच पर दनादन गोलियां दागना और ग्राम पिपट के एक युबक को प्रताड़ित करने पर उसके द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या करने जैसे अपराध घटित हो चुके है। अब ग्राम खजवा का एक और मामला आया है जहां सरेआम युवती पर एक सिर फिरे युवक ने हंसिया और चाकू से हमला कर दिया जिससे युवती गंभीर रूप से घायल हो गई।

जानकारी के अनुसार खजवा निवासी भोलाराम अहिरवार की पुत्री पूजा अहिरवार उम्र 19 बर्ष बीती शाम 6 बजे खेतों से शौच करके अपने घर बापिस आ रही थी तभी रास्ते में घन्सू अहिरवार जो खजवा का ही रहने बाला है। उसने रोका और चाकू वा हंसिए से ताबड़तोड़ प्रहार कर दिए जिससे युवती के चेहरे गर्दन हाथ सहित शरीर में कई जगह चोटें आई। इस घटना को पूजा अहिरवार के परिवार के बच्चों ने देखा तो उन्होने घर जाकर सूचना दी जिस पर परिजन घटनास्थल पर पहुंचे और घायल अवस्था में पड़ी पूजा अहिरवार को लेकर राजनगर थाना पहुंचे लेकिन पुलिस ने पहले उसे अस्पताल ले जाने की सलाह दी। परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे जहां डॉक्टरों ने उसका प्राथमिक उपचार किया और 108 एम्बुलेंस के माध्यम से ही जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जिला अस्पताल पहुचने पर इमरजेंसी डॉक्टर ने पूजा का उपचार कर उसे ट्रोमा बार्ड में भर्ती किया गया। वहीं पुलिस का कहना है कि युवती के बयान लेकर आरोपी के विरूद्ध कड़ी से कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

प्रताड़ित पति ने छतरपुर एसपी से लगाई सुरक्षा की गुहार

खौलती सब्जी डालकर पति को जान से मारने का प्रयास

छतरपुर। मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले के बिजावर क्षेत्र अंतर्गत बाजना थाना क्षेत्र से एक हैरान करने वाला घरेलू हिंसा का मामला सामने आया है, जहां एक पत्नी पर अपने ही पति पर खौलती हुई सब्जी डालकर जान से मारने का प्रयास करने का गंभीर आरोप लगा है। इस खौफनाक कदम से पीड़ित पति की पीठ बुरी तरह झुलस गई है। पीड़ित पति ने अब छतरपुर पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर न्याय और अपनी जान-माल की सुरक्षा के लिए लिखित आवेदन सौंपते हुए कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

मूल रूप से बाजना थाना क्षेत्र के ग्राम जसगुवां कला निवासी पीड़ित सुनील अहिरवार पिता मोतीलाल अहिरवार ने बताया कि वह गुरुग्राम (गुडग़ांव), हरियाणा के कादीपुर सेक्टर 10 में रहकर मेहनत-मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करता है। घटना बीते 7 मई 2026 की सुबह करीब 8 बजे की है। सुनील को काम पर जाना था, इसलिए उसने अपनी पत्नी कंचन अहिरवार से खाना मांगा और उसे पैक करने को कहा। इसी बात पर विवाद करते हुए पत्नी कंचन ने कढ़ाई में उबलती हुई गर्म सब्जी

सीधे सुनील की पीठ पर डाल दी। इस जानलेवा हमले में सुनील की पीठ पूरी तरह जल गई, जिसका इलाज उसने एक निजी अस्पताल में कराया। इस घटना के बाद जब वह हरियाणा के स्थानीय पुलिस थाने शिकायत करने पहुंचा, तो वहां उसे अपने गृह जिले छतरपुर जाकर मुकदमा दर्ज कराने की सलाह दी गई।

पीड़ित सुनील का आरोप है कि उसकी पत्नी कंचन अहिरवार का रवैया उसके प्रति शुरू से ही क्रूरतापूर्ण रहा है। वह बात-बात पर झगड़ा करती है और मजदूरी के पैसे भी जबरन छीन लेती है। सुनील ने अपनी पत्नी पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि वह अपने जीजा संतोष अहिरवार और बहन गायत्री (निवासी रेवाड़ी, हरियाणा) के बहकावे में है। वे लोग सुनील को जान से मारकर उसकी संपत्ति हड़पना चाहते हैं। पीड़ित ने डर जताते हुए कहा है कि उसकी पत्नी उसे कभी भी खाने में जहर देकर मार सकती है और लगातार जान से मारने की धमकियां दे रही है। पत्नी की इस प्रताडऩा से तंग आकर सुनील अपने बेटे यशवेन्द्र अहिरवार को साथ लेकर वापस अपने गांव जसगुवां कला आ गया है, जबकि उनकी बेटी कंचन के पास ही है। पीड़ित ने एसपी छतरपुर से गुहार लगाई है कि उसकी पत्नी, साढ़ू और साली के खिलाफ सख्त कानूनी कदम उठाए जाएं ताकि उसे और उसके बेटे को सुरक्षा मिल सके।

चलती ई-स्कूटी अचानक बनी 'आग का गोला'

दो युवकों ने कूदकर बचाई जान

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

बालाघाट के डेंजर रोड पर शुक्रवार शाम एक चलती इलेक्ट्रिक स्कूटी में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते वाहन पूरी तरह जलकर खाक हो गया। गनीमत रही कि बैटरी से धुआं निकलता देख चालक और उसका साथी समय रहते कूद गए जिससे एक बड़ा हादसा टल गया।

भटेरा निवासी केशव साहू अपने साथी के साथ गर्रा स्थित चार्जिंग सेंटर से स्कूटी ठीक कराकर लौट रहे थे। केशव ने बताया कि उन्होंने पिछले साल दीपावली पर यह सेकंड हैंड स्कूटी खरीदी थी। चार्जिंग में आ रही समस्या को सुधरवाकर लौटते समय करीब 6 बजे डेंजर रोड पर बैटरी से धुआं निकलने लगा, जिसके कुछ ही पलों बाद आग धधक उठी।

पीड़ित केशव साहू ने बताया कि आग लगने से पहले ही उन्होंने खतरे को भांप लिया था। जैसे ही बैटरी से धुआं उठा, दोनों ने तुरंत वाहन खड़ा किया और दूर भाग गए। यदि वे वाहन रोकने में देरी करते, तो गंभीर जनहानि हो सकती थी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया।

सड़क के बीचों-बीच स्कूटी में लगी आग इतनी भीषण थी कि उसका धुआं करीब एक किलोमीटर दूर तक दिखाई दे रहा था। सुरक्षा के लिहाज से सड़क के दोनों ओर वाहनों को रोक दिया गया, जिससे लगभग आधे घंटे तक यातायात प्रभावित रहा। पूरी तरह जलने के बाद केवल स्कूटी का ढांचा ही शेष बचा। लोगों ने बताया कि भीषण गर्मी के बीच जिले में वाहनों में आग लगने की घटनाओं ने चिंता बढ़ा दी है। हाल ही में परसवाड़ा के खर्रा में भी एक एम्बुलेंस में आग लग गई थी, जिसमें महाराष्ट्र निवासी चालक की जिंदा जलकर मौत हो गई थी। विशेषज्ञों का मानना है कि अत्यधिक तापमान और बैटरी ओवर हीटिंग ऐसे हादसों का मुख्य कारण हो सकते हैं।

परिवार के इनकार के बाद प्रेमी संग मंदिर में रचाई शादी

छतरपुर। जिले के सिविल लाइन थाना क्षेत्र के पठापुर गांव से 18 मई को लापता हुई 19 वर्षीय युवती किरण अहिरवार के मामले में नया मोड़ सामने आया है। गुमशुदगी दर्ज होने के बाद युवती स्वयं थाने पहुंची और पुलिस को बताया कि वह अपनी मर्जी से घर छोड़कर गई थी।

युवती ने बताया कि परिवार द्वारा मारपीट किए जाने से नाराज होकर वह देरी रोड निवासी 21 वर्षीय नरेंद्र अहिरवार के घर चली गई थी। किरण के अनुसार नरेंद्र और उसके परिवार ने उसे समझाने का प्रयास किया तथा उसके परिजनों को सूचना भी दी, लेकिन परिवार ने उसे वापस ले जाने से इनकार कर दिया। इसके बाद परिजनों ने सिविल लाइन थाने में युवती की गुमशुदगी की शिकायत दर्ज करा दी थी।

मामले में आगे दोनों युवक-युवती ओरछा रोड थाने पहुंचे, जहां उन्होंने पुलिस को बताया कि वे बालिग हैं और अपनी इच्छा से विवाह करना चाहते हैं। थाने में दोनों पक्षों की मौजूदगी में समझौते की कोशिश की गई, लेकिन सहमति नहीं बन सकी। युवती का आरोप है कि परिवार ने उसे अपनाने से साफ इनकार कर दिया।

मूक मवेशियों की तस्करी का पर्दाफाश, 3 आरोपियों पर मामला दर्ज

लोहमारा सरपंच ने जारी किया फर्जी प्रमाण पत्र

हरिभूमि न्यूज कटंगी।

कटंगी थाना क्षेत्र के ग्राम सेलवा में गुरुवार की देर रात ग्रामीणों ने मूक मवेशियों की तस्करी करने वाले तीन आरोपियों को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। इस घटना ने ग्राम पंचायत स्तर पर हो रहे फर्जीवाड़े को भी उजागर किया गया है। गुरुवार रात लगभग साढ़े 11 बजे ग्राम सेलवा के ग्रामीणों ने कृष्ण मंदिर के पास तीन व्यक्तियों को मवेशियों को पैदल हांकते हुए देखा। ग्रामीणों को शक हुआ कि ये लोग मवेशियों की तस्करी कर रहे हैं। तुरंत ही ग्रामीणों ने उन्हें घेरकर पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे अलग-अलग स्थानों से मवेशियों को खरीदकर ला रहे हैं। ग्रामीणों ने तत्काल डॉयल 112 को सूचना दी और आरोपियों को 03 नग मूक मवेशियों सहित पुलिस के हवाले कर दिया। शुक्रवार दोपहर 2 बजे पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि आरोपी लकेश पिता अनिल खरोले (25 वर्ष), निवासी अर्जुननाला, योगराज पिता हंस लाल उइके (30 वर्ष), निवासी नांदी, हंसलाल पिता भोजू उइके (65 वर्ष), निवासी नांदी के खिलाफ मध्य प्रदेश गोवंश वध प्रतिषेध अधिनियम 2004 की धारा 4, 6, 9 और पशुओं के प्रति

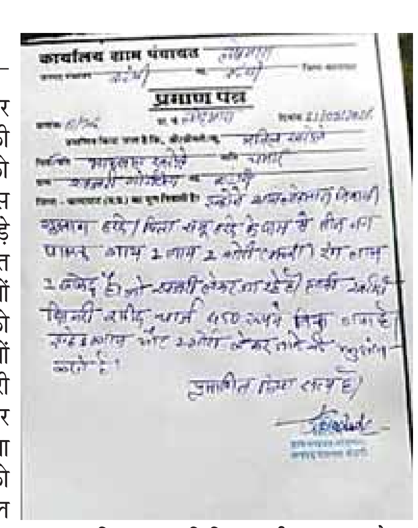

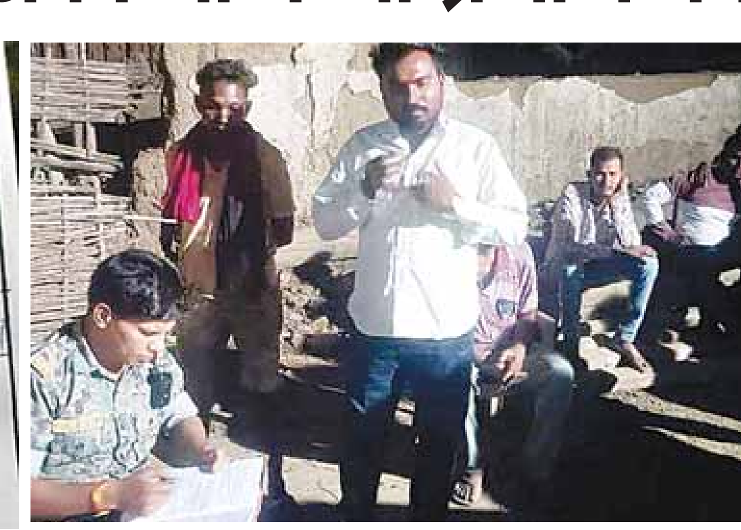

क्रूरता निवारण अधिनियम की धारा 11 के तहत मामला दर्ज किया गया है। जब ग्रामीणों ने आरोपियों की तलाशी ली तो उनके पास से ग्राम पंचायत लोहमारा के सरपंच द्वारा जारी एक प्रमाण पत्र मिला। इस प्रमाण पत्र में लिखा था कि आरोपी अनिल खरोले ने गुलाब पिता रामू हरदे (निवासी लोहमारा) से तीन मवेशी खरीदे हैं, जिनमें एक गाय और दो गोरी शामिल हैं। लेकिन जब गुलाब से इस संबंध में चर्चा की तो उसने साफ कहा कि उसने किसी को भी मवेशी नहीं बेचे। इससे स्पष्ट होता है कि लोहमारा सरपंच द्वारा फर्जी प्रमाण पत्र जारी किया गया था। आरोपियों के पास दो मोटरसाइकिल भी थी।

इस पूरे घटनाक्रम में सेलवा के ग्रामीणों की सजगता और साहसिक कदम सबसे महत्वपूर्ण रहा। देर रात मवेशियों को हांकते हुए देखकर उन्होंने तुरंत कार्रवाई की और आरोपियों को पकड़ लिया। यदि ग्रामीण समय रहते सतर्क न होते तो संभव था कि मवेशियों की तस्करी सफल हो जाती। वहीं इस घटना ने ग्राम पंचायत स्तर पर हो रहे फर्जीवाड़े को भी उजागर किया है। लोहमारा सरपंच द्वारा जारी किया गया फर्जी प्रमाण पत्र यह दर्शाता है कि पंचायत स्तर पर भ्रष्टाचार और मिलीभगत किस हद तक फैली हुई है। सवाल यह उठता है कि सरपंच ने बिना वास्तविक लेन-देन के प्रमाण पत्र क्यों जारी किया? क्या सरपंच स्वयं इस तस्करी में शामिल है या किसी दबाव में ऐसा किया गया?

समुद्र तट पर रेंगते दिखे अजीबोगरीब जीव, तूफान के बाद मची भारी तबाही

ब्यूनस आयर्स। कुदरत के अनगिनत रहस्य आज भी समंदर की गहराइयों में दफन हैं, लेकिन कई बार कुछ ऐसी प्राकृतिक घटनाएं घट जाती हैं जो इंसान को दांतों तले उंगली दबाने पर मजबूर कर देती हैं। ऐसा ही एक बेहद हैरान करने वाला और डरावना मामला अर्जेंटीना के चुबुत प्रांत से सामने आया है। यहां के तटीय इलाकों में रहने वाले लोग उस वक्त खौफ से कांप उठे, जब उन्होंने सुबह उठकर समुद्र तटों का नजारा देखा। अटलांटिक महासागर में आए एक भयानक तूफान और तेज लहरों के टकराने के बाद कोमोडोरो रिवादाविया और प्यूर्टो मैड्रिन जैसे तटीय शहरों के समुद्र तटों पर दूर-दूर तक लाखों की तादाद में अजीबोगरीब और रहस्यमयी जीव रेंगते हुए दिखाई दिए। इस मंजर को देखकर लोग कांप उठे।

डरावना मंजर देख कांप उठे लोग!

इस जीव के शरीर पर घने बाल और चमकदार कांटेदार परत थी, जिसे वैज्ञानिकों की भाषा में 'सी माउस' या समुद्री चूहा कहा जाता है। एक साथ इतने सारे अजीब जीवों का पानी से बाहर आ जाना बेहद असाधारण घटना है। समुद्री वैज्ञानिकों के अनुसार, रेत पर बिखरे ये अजीब जीव असल में कोई मछली नहीं हैं, बल्कि यह समुद्री स्पून वॉर्म (चम्मच जैसे दिखने वाले कीड़े) की एक विशेष प्रजाति है। इनका वैज्ञानिक नाम 'युरिकिस यूनिसिनक्टस' है।

चीन, कोरिया और जापान के लोग चाव से खाते हैं

इन सुरंगों के मुहाने पर छोटे चिमनी जैसे प्रवेश द्वार होते हैं। ये जीव लंबाई में लगभग 25 सेंटीमीटर (10 इंच) तक बढ़ सकते हैं। इनका शरीर बेहद लचीला और इलास्टिक जैसा होता है, जो इन्हें रेत में गहरी सुरंगें खोदने और वहां अपना भोजन छानने में मदद करता है। यह मुख्य रूप से प्लवक और बैक्टीरिया को खाकर जीवित रहते हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि जब समुद्र में अचानक तेज लहरें उठती हैं या भयानक तूफान के कारण पानी का करंट बदलता है, तो समुद्र की तलहटी में जमा रेत और मिट्टी पूरी तरह से हिल जाती है। इस उथल-पुथल के कारण इन जीवों के घर नष्ट हो जाते हैं और ये रेत से बाहर बहते हुए समुद्र तट पर आ जाते हैं।

अत्यंत दुर्लभ और अनोखी घटना

चीन और कोरिया में इन जीवों को कच्चे रूप में नमक, तिल के तेल या लाल मिर्च के पेस्ट के साथ हल्के मसालेदार बनाकर खाया जाता है। वहीं, जापान में इसे एक विशेष प्रकार के पारंपरिक व्यंजन 'साशिमी के रूप में परोसा जाता है। इसके साथ ही मिला दूसरा जीव 'सी माउस' भी बेहद अनोखा है। यह एक प्रकार का कीड़ा ही है, जिसके शरीर पर रेशमी बाल होते हैं, जिसके कारण यह हूबहू किसी छोटे चूहे जैसा दिखता है। यह भी हमेशा समुद्र की तलहटी में छिपा रहता है और इंसानों को इसका दिखना बेहद दुर्लभ माना जाता है। अर्जेंटीना के तटों पर इससे पहले साल 2021 और 2023 में भी इस तरह से जीवों के बहकर आने की घटनाएं दर्ज की गई थीं। लेकिन, वैज्ञानिकों का कहना है कि स्पून वॉर्म और सी माउस का एक साथ एक ही तट पर मिलना अत्यंत दुर्लभ और अनोखी घटना है।

रोचक खबरें

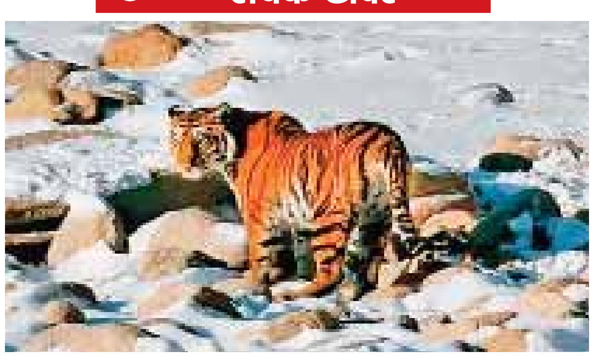

ये है सबसे मोटी चमड़ी वाला जानवर प्रकृति ने पहनाया है स्वेटर

नोवोसिबिर्स्क। साइबेरिया की बर्फीली वादियों में जहां इंसान भी कुछ मिनटों में ठिठुर कर रह जाता है, वहां एक जानवर राज करता है। माइनस 40 डिग्री से भी ज्यादा ठंड में ये बेफिक्र घूमता फिरता है। बर्फीली हवाएं इसके शरीर को छू भी नहीं पाती. ये है साइबेरियन बाघ, जिसे अमूर टाइगर भी कहा जाता है। दुनिया के सबसे बड़े और खतरनाक बिल्लियों में शुमार ये प्रजाति प्रकृति का कमाल है। साइबेरियन बाघ की सबसे बड़ी खासियत है इसकी मोटी चमड़ी और उसके नीचे मौजूद चर्बी की मोटी परत। सामान्य बाघों की तुलना में इनकी फर (फर को लोक भाषा में चमड़ी कहा जाता है) बहुत घनी और लंबी होती है। सर्दियों में ये फर और भी मोटा हो जाता है। गर्दन के चारों ओर बालों की परत इसे ठंड से बचाती है। वैज्ञानिकों के अनुसार इनकी सर्दियों वाली फर गर्मियों वाली फर से दोगुनी मोटी हो सकती है। इसके अलावा शरीर पर चर्बी की मोटी परत इंसुलेशन का काम करती है, जो शरीर की गर्मी को अंदर रखती है। ये बाघ 300 किलो तक वजन का हो सकता है। नर बाघ औसतन 176 से 222 किलो तक होते हैं जबकि कुछ बड़े नमूने 300 किलो से ज्यादा भी पाए गए हैं। इनकी लंबाई पूंछ समेत 3 मीटर से ज्यादा हो सकती है। इतना भारी-भरकम शरीर होने के बावजूद ये बर्फ पर हल्के कदमों से चलता है। इसके बड़े-बड़े पंजों पर घनी बालों की परत होती है जो स्नोशू की तरह काम करती है। इससे ये बर्फ में धंसता नहीं और चुपके से शिकार के पास पहुंच जाता है।

इस गुफा में दिखती हैं 'भगवान की आंखें'

सोफिया। दुनिया में कुछ जगहें ऐसी होती हैं, जिन्हें देखकर लगता है मानो प्रकृति ने अपनी कल्पना की सारी सीमाएं तोड़ दी हों। कहीं चट्टानें इंसानी आकृतियों जैसी दिखती हैं तो कहीं गुफाओं के भीतर ऐसे रहस्यमयी आकार बन जाते हैं, जो विज्ञान से ज्यादा किसी चमत्कार जैसे लगते हैं। ऐसी ही एक अद्भुत जगह यूरोप के देश बुल्गारिया में मौजूद है, जिसे लोग 'भगवान की आंखें' के नाम से जानते हैं। यह जगह पहली नजर में ही लोगों को हैरान कर देती है। इस अनोखी गुफा का असली नाम प्रोहोदना गुफा है। इसकी सबसे खास बात इसकी छत पर बने दो विशाल गोल छेद हैं, जो बिल्कुल इंसानी आंखों जैसे दिखाई देते हैं। जब सूरज की किरणें इन छेदों से होकर गुफा के भीतर आती हैं, तो ऐसा लगता है जैसे आसमान खुद अंदर झांक रहा हो। यही दृश्य इसे इतना खास बनाता है कि लोग इसे किसी दैवीय संकेत की तरह देखने लगते हैं।

फिल्मों में भी दिख चुकी है ये जगह

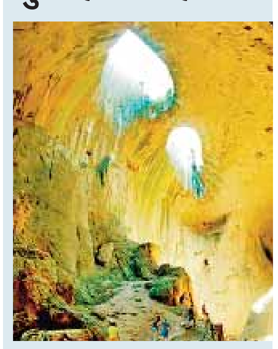

इस गुफा की खूबसूरती फिल्म निर्माताओं को भी आकर्षित कर चुकी है। साल 1988 में बनी फिल्म Time of Violence के कुछ दृश्य यहीं शूट किए गए थे। इसके बाद से यह जगह दुनियाभर के पर्यटकों के बीच और भी लोकप्रिय हो गई। सबसे दिलचस्प बात यह है कि यहां घूमने के लिए कोई एंट्री फीस नहीं ली जाती। यह जगह हर समय पर्यटकों के लिए खुली रहती है। जो लोग प्रकृति, रहस्य, इतिहास और रोमांच का एक साथ अनुभव एक साथ करना चाहते हैं, उनके लिए यह गुफा किसी सपनों की दुनिया से कम नहीं है।

प्रकृति, रहस्य, इतिहास और रोमांच का एक साथ अनुभव

बारिश में बनता है सबसे खूबसूरत दृश्य

इस गुफा का असली जादू बारिश के मौसम में देखने को मिलता है। जब बारिश का पानी इन आंखों जैसे छेदों से नीचे गिरता है, तो ऐसा प्रतीत होता है जैसे आंखों से आंसू बह रहे हों। इसी वजह से लोग इन्हें 'भगवान के आंसू' भी कहते हैं। जो भी इस दौरान गुफा के अंदर खड़ा होता है, उसे यह दृश्य को जीवनभर नहीं भूल पाता।

इतिहास और रहस्य से जुड़ी कहानी

यह गुफा क्वाटरनरी काल में बनी मानी जाती है, जो पृथ्वी के इतिहास का सबसे नया दौर है। इसकी लंबाई लगभग 880 फीट है और इसे बुल्गारिया की लंबी गुफाओं में शामिल किया जाता है। इतिहासकारों को यहां प्राचीन मानवों के रहने के संकेत भी मिले हैं, जिससे यह जगह केवल प्राकृतिक ही नहीं बल्कि ऐतिहासिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण बन जाता है।

कहां स्थित है यह अद्भुत जगह?

यह गुफा बुल्गारिया की राजधानी सोफिया से लगभग दो घंटे की दूरी पर, लुकोविट नगर पालिका के कार्लुकोवो गांव के पास स्थित है। यह इलाका बुल्गारिया के सबसे बड़े कार्स्ट क्षेत्रों में गिना जाता है। कार्स्ट क्षेत्र वह होता है, जहां चूना पत्थर समय के साथ पानी में घुलकर गुफाएं, सुरंगें और अनोखी संरचनाएं बना देता है। इसी प्राकृतिक प्रक्रिया ने इस गुफा को भी एक अनोखा रूप दिया है।

कैसे बनीं आंखों जैसी ये आकृतियां?

हजारों वर्षों तक हवा, पानी और प्राकृतिक कटाव के असर से गुफा की छत पर ये दो बड़े छेद बन गए। समय के साथ इनका आकार इतना संतुलित और गोल हो गया कि ये बिल्कुल आंखों जैसे दिखने लगे। दिन के समय जब रोशनी इन छेदों से भीतर आती है, तो पूरी गुफा रोशनी से भर जाती है और यह दृश्य किसी जादू से कम नहीं लगता।

बिना दिमाग के भी जिंदा हैं ये समुद्री जीव

नई दिल्ली। समंदर की अथाह गहराइयों में ऐसी अनगिनत कहानियां दबी हुई हैं, जिन्हें जानकर आज भी वैज्ञानिक हैरान रह जाते हैं। यहां का संसार जितना शांत दिखता है, उतना ही रहस्यमयी भी है। इसी रहस्यभरी दुनिया में कुछ ऐसे जीव भी पाए जाते हैं, जो बिना दिमाग के होते हुए भी हजारों साल से जीवित हैं और अपने अस्तित्व को बनाए हुए हैं। यह बात सुनने में भले ही अजीब लगे, लेकिन समुद्र में रहने वाले स्पंज, जेलीफिश और स्टारफिश जैसे कई जीव बिना विकसित मस्तिष्क के भी पूरी तरह सक्रिय जीवन जीते हैं। वैज्ञानिक बताते हैं कि इन जीवों का शरीर इंसानों या अन्य जंतुओं की तरह काम नहीं करता। उदाहरण के तौर पर समुद्री स्पंज को पृथ्वी के सबसे प्राचीन जीवों में गिना जाता है। इनके पास न तो मस्तिष्क होता है और न ही दिल, फिर भी ये लंबे समय तक जीवित रहते हैं। स्पंज अपने शरीर में मौजूद सूक्ष्म छिद्रों के जरिए पानी को छानते हैं और उसी से भोजन व ऑक्सीजन हासिल करते हैं। उनका शरीर कोशिकाओं के जाल की तरह कार्य करता है, जो बिना किसी केंद्रीय नियंत्रण के भी जरूरी प्रक्रियाओं को संचालित करता रहता है।

अनोखा देश, शहरों के बीच सफर के लिए नहीं है एक भी रोड

नूक। जब भी हम किसी देश की कल्पना करते हैं, तो हमारे दिमाग में चौड़ी सड़कें, लंबे हाईवे और शहरों को जोड़ने वाले रास्ते जरूर आते हैं। सड़कें किसी भी देश की पहचान मानी जाती हैं, क्योंकि इन्हीं के जरिए लोग एक जगह से दूसरी जगह आसानी से पहुंच पाते हैं। लेकिन, क्या आप जानते हैं कि दुनिया में एक ऐसा भी देश मौजूद है, जहां शहरों को आपस में जोड़ने के लिए कोई सड़क ही नहीं है?

दरअसल, इस अनोखे देश का नाम ग्रीनलैंड है। यह देश अपनी बेहद ठंडी जलवायु और विशाल बर्फीली चादरों के लिए पूरी दुनिया में जाना जाता है। यहां का लगभग 80 प्रतिशत हिस्सा मोटी बर्फ से ढका हुआ है। चारों तरफ फैले ग्लेशियर, ऊंचे पहाड़ और गहरी खाड़ियां इस जगह को बेहद अलग और कठिन बना देते हैं।

यही कारण है कि यहां शहरों और कस्बों को जोड़ने के लिए बड़े रोड नेटवर्क या नेशनल हाईवे नहीं बनाए जा सके हैं। छोटे कस्बों के अंदर कुछ सड़कें जरूर हैं, लेकिन एक शहर से दूसरे शहर तक जाने के लिए कोई सड़क मौजूद नहीं है।

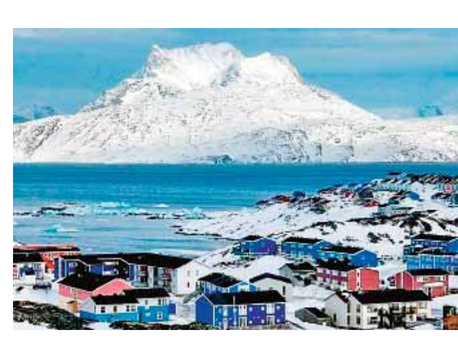

फिर लोग सफर कैसे करते हैं?

अब आपके मन में एक सवाल जरूर आ रहा होगा कि अगर यहां सड़कें नहीं हैं, तो लोग एक जगह से दूसरी जगह कैसे जाते होंगे? ग्रीनलैंड में यात्रा का सबसे बड़ा साधन हवाई सेवा है। यहां छोटे विमान और हेलीकॉप्टर लोगों की जिंदगी का अहम हिस्सा हैं। कई जगहों पर नाव, जहाज और फेरी सर्विस का भी इस्तेमाल किया जाता है। सर्दियों में जब पूरा इलाका बर्फ से ढक जाता है, तब लोग स्नोमोबाइल और डॉग स्लेज का सहारा लेते हैं। डॉग स्लेज यानी कुत्तों द्वारा खींची जाने वाली बर्फ गाड़ियां आज भी यहां यह इस्तेमाल होता है।

अपनी सुंदरता के लिए मशहूर है ग्रीनलैंड

ग्रीनलैंड सिर्फ अपनी अनोखी व्यवस्था के लिए ही नहीं, बल्कि शानदार प्राकृतिक नजारों के लिए भी काफी मशहूर है। यहां के विशाल ग्लेशियर, बर्फीले पहाड़ और आसमान में दिखने वाली नॉर्दर्न लाइट्स पर्यटकों को बेहद आकर्षित करती हैं। यहां रहने वाला इनुइट समुदाय सदियों से इस कठिन मौसम में जीवन जीता आ रहा है। उनकी संस्कृति और जीवनशैली भी दुनियाभर के लोगों के लिए काफी दिलचस्प मानी जाती है।

मंगल ग्रह पर नासा को दिखा अदृश्य साया

वॉशिंगटन। रहस्यों से भरे ब्रह्मांड से एक ऐसी खबर आई है जिसने विज्ञानिकों को हैरान कर दिया है। हमेशा से शांत और पथरीला दिखने वाला लाल ग्रह यानी मंगल इस समय एक बेहद अजीब दौर से गुजर रहा है। नासा के वैज्ञानिकों ने दावा किया है कि एक भयंकर सौर तूफान के बाद मंगल ग्रह का वायुमंडल रहस्यमयी तरीके से अंदर से सिकुड़ने लगा है। नासा के मेवेन स्पेसक्राफ्ट ने मंगल ग्रह के वायुमंडल के अंदर एक बहुत ही अजीब और अनोखी हलचल देखी है। वैज्ञानिकों के अनुसार, किसी अज्ञात ताकत के कारण से मंगल ग्रह का वायुमंडल अंदर से सिकुड़ रहा है। ब्रह्मांड के इतिहास में पहली बार किसी ग्रह के वायुमंडल के भीतर ऐसी घटना देखने को मिली है। वायुमंडल सिकुड़ने से क्या मंगल ग्रह पर बड़ा खतरा आ सकता है? साइंस की दुनिया में इस घटना को ज्वॉन-वुल्फ इफेक्ट कहते हैं। इसमें मैग्नेटिक पावर के प्रभाव से चार्ज्ड पार्टिकल्स यानी आवेशित कण आपस में बुरी तरह से दबने या सिकुड़ने लगते हैं। हैरान करने वाली बात यह है कि आज से पहले यह इफेक्ट सिर्फ अंतरिक्ष में ग्रहों के आस-पास ही देखा गया था, लेकिन पहली बार इसे किसी ग्रह के वायुमंडल के अंदर ऐसा कुछ हुआ है।

अक्सर मंगल पर होती रहती हैं ऐसी घटनाएं

इस खोज से यह समझने में मदद मिलेगी कि आखिर कैसे मंगल का वायुमंडल धीरे-धीरे अंतरिक्ष में गायब होता जा रहा है। वैज्ञानिकों का मानना है कि ऐसी घटनाएं मंगल पर अक्सर होती रहती हैं, बस हमारी जानकारी में नहीं आती थीं।

कहां और कैसे हुई यह खोज?

नासा को इसकी जानकारी साल 2023 के दिसंबर में मिले डेटा की बारीकी से जांच करने के बाद मिली है। वैज्ञानिकों ने रिसर्च में पाया कि लाल ग्रह की सतह से लगभग 200 किलोमीटर ऊपर, उसके आयनोस्फीयर में यह हैरान कर देने वाली हलचल हुई है। मंगल ग्रह पर यह हलचल तब शुरू हुई जब वैज्ञानिकों को डेटा में कुछ अजीबोगरीब लहरें दिखाई दीं। पहले तो उन्हें लगा कि यह मशीन की समस्या हो सकती है, लेकिन जब मेवेन स्पेसक्राफ्ट के बाकी उपकरणों की जांच की गई, तो इस ज्वॉन-वुल्फ इफेक्ट की पुष्टि हुई।

सौर तूफान ने मचाई तबाही!

धरती के पास अपनी एक मजबूत चुंबकीय ढाल यानी मैग्नेटिक फील्ड है, जो हमें सूरज की खतरनाक किरणों से बचाती है। लेकिन, मंगल ग्रह के पास ऐसा कुछ नहीं है। यही कारण से जब एक भयंकर सौर तूफान मंगल से टकराया, तो उसके कण सीधे मंगल के वायुमंडल में प्रवेश कर गए और उन्होंने वहां भयंकर तबाही मचानी शुरू कर दी। जो मैग्नेटिक फील्ड धरती की रक्षा करती है, वही शक्ति मंगल के वायुमंडल को अंदर से सिकोड़ और बदल रही है।

अध्ययन

अन्य जानवरों से बेहद समझदार होते हैं गधे

गधा कहीं का! तारीफ से भरे हैं ये शब्द, घोड़े से भी ज्यादा होते हैं समझदार

नई दिल्ली। 'अरे गधे!'- हम अक्सर गुस्से या मजाक में किसी को कम अक्ल वाला बताने के लिए यह शब्द इस्तेमाल करते हैं। लेकिन, वैज्ञानिक अध्ययनों ने इस धारणा को पूरी तरह उलट दिया है। गधे बेवकूफ नहीं, बल्कि बेहद समझदार, सतर्क और भावनात्मक रूप से संवेदनशील जानवर हैं। उनकी बुद्धिमत्ता घोड़ों से कहीं ज्यादा मानी जाती है और कुछ अध्ययनों में तो इसे इंसानों की संज्ञानात्मक क्षमता से जोड़ा गया है।

जिद्दी क्यों कहे जाते हैं?

ज्यादातर लोग गधों को जिद्दी समझते हैं। असल में यह उनकी बुद्धिमत्ता का सबूत है। घोड़े खतरे में भागते हैं, जबकि गधे रुककर स्थिति का आकलन करते हैं। वे तभी आगे बढ़ते हैं जब उन्हें लगता है कि रास्ता सुरक्षित है। यह सतर्कता उनकी बुद्धि का प्रतीक है, ना कि मूर्खता का। कई अध्ययनों में पाया गया है कि गधे घोड़ों से ज्यादा समझदार हैं। वे स्वतंत्र सोच रखते हैं और बिना सोचे-समझे किसी काम को नहीं करते। समस्या समाधान में म्यूल (गधे-घोड़े के संकर) और गधे घोड़ों से बेहतर प्रदर्शन करते हैं। भावनात्मक बुद्धिमत्ता में भी वे आगे हैं। वे मालिक के साथ गहरे रिश्ते बनाते हैं और नरम व्यवहार पर अच्छा प्रतिसाद देते हैं।

भारत में गधों की स्थिति

भारत में गधे मुख्य रूप से ग्रामीण इलाकों, ईंट भट्ठों और ढुलाई के काम में इस्तेमाल होते हैं। लेकिन, इनकी देखभाल अक्सर खराब होती है। विश्व पशु संरक्षण संगठन जैसे संगठन गधों की बुद्धिमत्ता और संवेदनशीलता को रेखांकित करते हुए बेहतर व्यवहार की अपील करते हैं।

रिसर्च क्या कहती है?

2019 में प्रकाशित एक महत्वपूर्ण अध्ययन (जर्नल ऑफ वेटरनरी बिहेवियर) में स्पेनिश वैज्ञानिकों ने 300 गधों पर गैर-मौखिक समस्या समाधान परीक्षण किया था। इसके नतीजे चौंकाने वाले थे– गधों की संज्ञानात्मक क्षमता इंसानों जैसी ही विरासत और विविधता के पैटर्न दिखाती है। आईक्यू टेस्ट में गधों का स्कोर मानव पैटर्न से काफी मिलता-जुलता पाया गया। अध्ययन का निष्कर्ष था कि गधों को 'किसी हद तक बुद्धिमान जानवर' माना जा सकता है। गधे जटिल समस्याएं हल करने, जोखिम का आकलन करने और पिछले अनुभवों से सीखने में माहिर हैं। वे लंबे समय तक लोगों, जगहों और घटनाओं को याद रखते हैं– कभी-कभी कई सालों तक।

इस देश में बच्चों से लेकर प्रधानमंत्री तक चलाते हैं साइकिल

नीदरलैंड्स की साइकिल संस्कृति की चर्चा अक्सर होती है। दुनिया में शायद ही कोई देश होगा, जहां पर लोग साइकिल को अहमियत देते हों। लेकिन, नीदरलैंड्स में बड़े नेता भी साइकिल चलाते दिखाई देते हैं। वहां के पूर्व प्रधानमंत्री मार्क रुटे को कई बार संसद तक साइकिल से जाते हुए देखा गया है। देश की राजधानी एम्स्टर्डम की साइकिल पहचान बन चुकी है। यहां पर बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक साइकिल चलाते नजर आते हैं।

एम्स्टर्डम। वर्तमान में नीदरलैंड्स को साइकिलों का स्वर्ग कहा जाता है। कभी इस देश में कारों का दबदबा तेजी से बढ़ गया था। 1950 और 60 के दशक में आर्थिक विकास के साथ ही देश में गाड़ियों की संख्या बढ़ी तेजी से बढ़ी। सड़क से साइकिलें धीरे-धीरे गायब होने लगीं, लेकिन सड़क हादसों में तेजी से बढ़ोतरी हुई। साल 1971 में नीदरलैंड्स में सड़क हादसों में हजारों लोगों की जान चली गई, जिनमें बड़ी संख्या बच्चों की थी।

हादसों के बाद लोगों ने चलाया अभियान

नीदरलैंड्स में हादसों के बाद लोगों की गुस्सा बढ़ गया। उन्होंने कारों के खिलाफ और सुरक्षित सड़कों के समर्थन में बड़े अभियान की शुरुआत कर दी। लोगों ने आंदोलन का नाम स्टॉप डी किंडरमोर्ड रखा, जिसका मतलब बच्चों की मौत रोको। सड़कों पर लोग साइकिल लेकर उतर गए। प्रदर्शनों को देखते हुए तत्कालीन सरकार ने कारों की स्पीड सीमित कर दी। इसके साथ ही नई डिजाइन वाली सड़कें बनाई गई और साइकिल चालकों के लिए अलग रास्ते बनाए गए।

ये है रेगिस्तान की 'बुलेट ट्रेन' बिना पटरी के रेत में है

नई दिल्ली। रेगिस्तान की गर्म रेत पर एक ऐसा पक्षी दौड़ता है जो देखने में बुलेट ट्रेन जैसा लगता है। इसका नाम है रोड रनर (ग्रेटर रोडरनर)। लोग इसे रेगिस्तान की 'बुलेट ट्रेन' कहते हैं, क्योंकि यह बिना किसी पटरी के रेत पर आश्चर्यजनक तेजी से भागता है।

चीन और जापान की हाई-स्पीड ट्रेनों ने तो दुनिया को हैरान किया है, लेकिन प्रकृति ने रेगिस्तान में अपना एक अनोखा 'स्पीडस्टर' पैदा किया है। रोड रनर मुख्य रूप से दक्षिण-पश्चिमी अमेरिका और मैक्सिको के रेगिस्तानी इलाकों में पाया जाता है। यह पक्षी उड़ने की बजाय जमीन पर दौड़ना ज्यादा पसंद करता है। अपनी स्पीड की वजह से इसकी तुलना बुलेट ट्रेन से की जाती है, लेकिन ऐसा सच नहीं है।

दौड़ने में है माहिर

इस पक्षी की अधिकतम दौड़ने की स्पीड 20-26 मील प्रति घंटा (लगभग 32-42 किलोमीटर प्रति घंटा) तक पहुंच सकती है। यह उड़ने वाले पक्षियों में सबसे तेज दौड़ने वाले पक्षी के रूप में रिकॉर्ड है। छोटे-छोटे फटकनों में यह और भी तेज हो जाता है। इसकी सबसे खास बात यह है कि यह बेहतरीन शिकारी भी है। रोड रनर सांपों, छिपकलियों, कीड़ों, छोटे स्तनधारियों और यहां तक कि जहरीले रैटल स्नेक का भी शिकार कर लेता है। यह सांप को चोंच से मारकर या उसे पीटकर मार डालता है। इसकी तेज स्पीड और चतुराई उसे शिकार पकड़ने में मदद करती है। रोड रनर का शरीर लंबा और पतला होता है, पूंछ लंबी होती है जो संतुलन बनाए रखने में मदद करती है। इसके पैर मजबूत और तेज दौड़ने के लिए बने हैं। यह उड़ भी सकता है, लेकिन जरूरत पड़ने पर ही उड़ता है। ज्यादातर समय यह जमीन पर चलता-दौड़ता रहता है।